सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साथी

हिंदी पाठमाला

3

AMANDA IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

3

हिंदी पाठमाला

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पर आधारित

आल्या
एवं
पूर्णिमा शर्मा

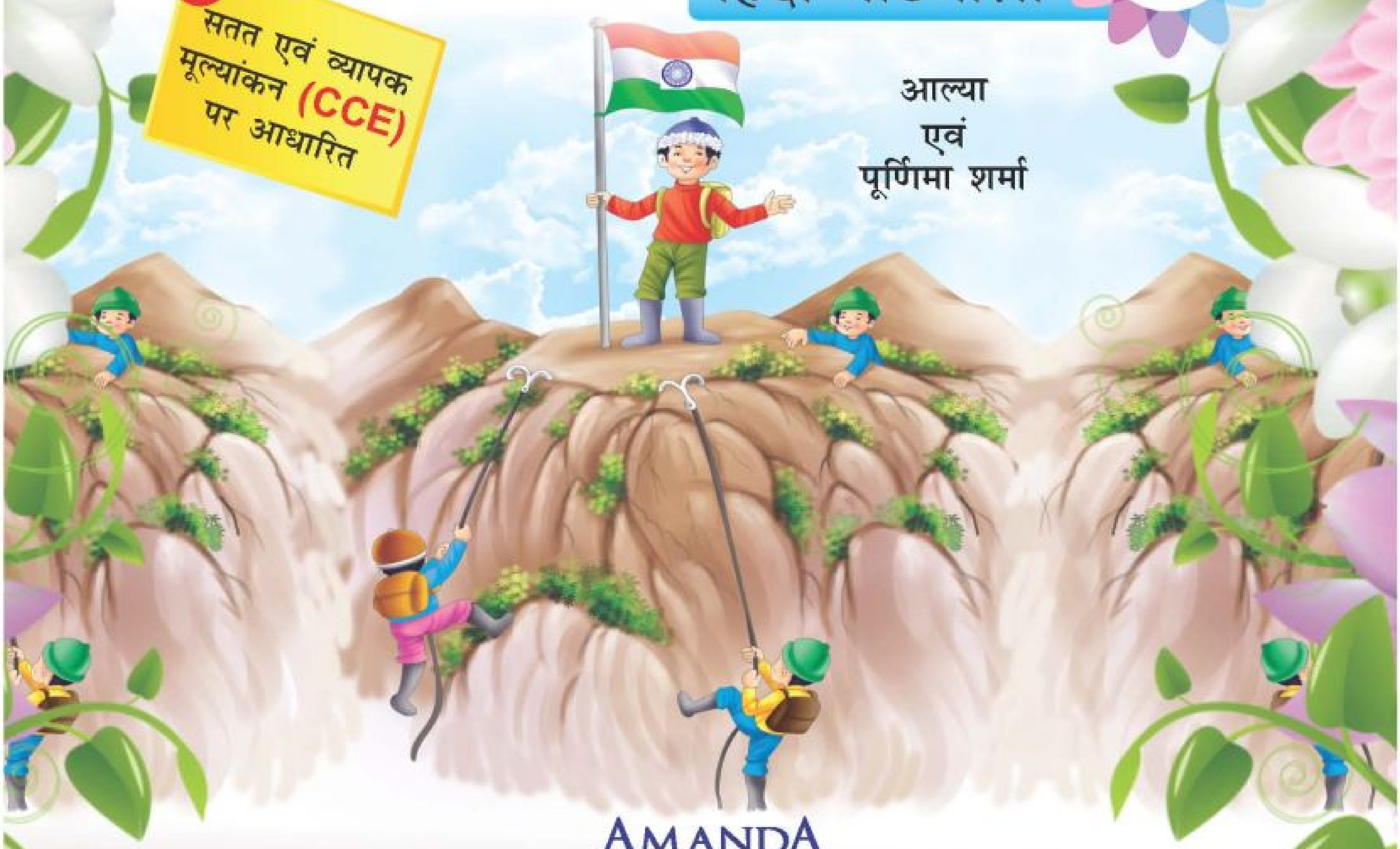

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

कोचीन • कोलकाता • गुवाहाटी • चेन्नई • जालंधर
बेंगलुरु • मुंबई • राँची • लखनऊ • हैदराबाद • नई दिल्ली
बोस्टन (यू.एस.ए.) • आकरा (घाना) • नैरोबी (केन्या)

साक्षी हिंदी पाठमाला-3

© द्वारा लक्ष्मी पब्लिकेशंज (प्रा०) लिमिटेड
अन्य भाषाओं में अनुवाद सहित सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रतिलिप्याधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012 के अनुसार, इस प्रकाशन का कोई भी अंश किसी भी रूप या माध्यम; जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, याँत्रिकी, फोटोकॉपी, रिकार्डिंग या अन्य के द्वारा पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक की अनुमति के बिना उपरोक्त कोई भी कार्य अथवा स्केनिंग, कंप्यूटर में संग्रहण या इस पुस्तक के किसी अंश की इलेक्ट्रॉनिक साझेदारी आदि सांविधानिक अथवा कानूनी तौर पर प्रतिलिप्याधिकार धारक की बौद्धिक संपत्ति की चोरी मानी जाएगी। इस पुस्तक की सामग्री (पुनरावलोकन के उद्देश्यों के अतिरिक्त) उपयोग करने हेतु प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति आवश्यक है।

भारत में मुद्रित और जिल्दबंद
टाइपसैट : एम.टू.डब्ल्यू. मीडिया, दिल्ली
नवीनतम संस्करण
ISBN 978-93-80644-99-8

दायित्व की सीमाएँ/आश्वासन का अस्वीकरण : इस कार्य की सामग्री की परिशुद्धता या पूर्णता के संदर्भ में प्रकाशक और लेखक निरूपण या आश्वासन नहीं देते हैं और विशेषतया सभी आश्वासनों को अस्वीकार करते हैं। इसमें अंतर्विष्ट परामर्श, कौशल और क्रियाकलाप प्रत्येक स्थिति में अनुकूल नहीं हो सकते। निष्पादित क्रियाकलापों के दौरान बड़ों का निरीक्षण आवश्यक है। इसी प्रकार, इस पुस्तक या अन्य प्रकार से वर्णित, किसी और सभी क्रियाकलापों को संपादित करने हेतु सामान्य बुद्धिमत्ता और सावधानी आवश्यक है। इससे होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति या नुकसान के लिए प्रकाशक या लेखक उत्तरदायी नहीं होंगे और न ही कोई जिम्मेदारी लेंगे। तथ्य यह है कि इस पुस्तक में उद्धरण या अतिरिक्त सूचना के संभावित स्रोत के रूप में उल्लेखित संस्था या वेबसाइट का अर्थ यह नहीं है कि लेखक या प्रकाशक सूचना, संस्था या वेबसाइट का समर्थन या अनुशंसा करते हैं। साथ ही पाठकों को यह अवश्य ज्ञात रहे कि पुस्तक में उद्धरित इंटरनेट वेबसाइट्स, पुस्तक को लिखने और पढ़ने के समयांतराल में बदली अथवा लुप्त की जा सकती हैं।
इस पुस्तक में दर्शाए गए सभी मार्का, प्रतीक या अन्य कोई चिह्न; जैसे कि विबग्योर, यूएसपी, अमान्डा, गोल्डन बेल्स, फायरवॉल मीडिया, मरक्यूरी, ट्रिनिटी और लक्ष्मी सभी व्यापारिक चिह्न हैं और लक्ष्मी पब्लिकेशंज तथा इसके सहायक अथवा संबद्ध संस्थाओं की अपनी या अनुज्ञप्त बौद्धिक संपत्ति हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस पुस्तक में वर्णित सभी नाम और चिह्न उनके निजी मालिकों के व्यापारिक नाम, मार्का या सेवा-चिह्न हैं।

भारत में प्रकाशित, द्वारा–

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

113, गोल्डन हाउस, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002, इंडिया
फोन : 91-11-4353 2500, 4353 2501
फैक्स : 91-11-2325 2572, 4353 2528
www.laxmipublications.com info@laxmipublications.com

शाखाएँ

कोचीन	0484-237 70 04,	405 13 03
कोलकाता	033-22 27 43 84	
गुवाहाटी	0361-254 36 69,	251 38 81
चेन्नई	044-24 34 47 26,	24 35 95 07
जालंधर	0181-222 12 72	
बेंगलुरु	080-26 75 69 30	
मुंबई	022-24 91 54 15,	24 92 78 69
राँची	0651-220 44 64	
लखनऊ	0522-220 99 16	
हैदराबाद	040-27 55 53 83,	27 55 53 93

C—
मुद्रक :

प्रस्तावना

'साक्षी' हिंदी पाठमाला की शृंखला का निर्माण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एनसीईआरटी, सीबीएसई तथा राज्यों के बोर्डों द्वारा निर्धारित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन **सीसीई** *(Continuous and Comprehensive Evaluation)* पद्धति के अनुसार किया गया है।

बच्चों में देखकर सीखने की प्रवृत्ति जन्म से ही होती है। किसी भी वस्तु को देखकर उसके बारे में जानने की इच्छा उनके मन में स्वतः ही उठ जाती है। बच्चों की इसी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए उनसे जुड़े खान-पान, रहन-सहन, आचार-विचार, रुचि आदि पर **साक्षी** हिंदी पाठमाला के पाठ तैयार किए गए हैं। रोचक पाठ बच्चों की जिज्ञासा एवं भाषा में रुचि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस पाठमाला को तैयार करते समय भाषा की सभी योग्यताओं– सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, सोचना, समझना, समझकर करना आदि को सिखाने का प्रयास किया गया है।

यह पुस्तक शृंखला अभ्यास पुस्तिका सहित तैयार की गई है। पाठ के अंत में शब्दार्थ, मौखिक व लिखित प्रश्न, पाठ से संबंधित काल्पनिक प्रश्न, भाषा ज्ञान संबंधी प्रश्न, बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs), गतिविधियाँ तथा परियोजना निर्माण कार्य सम्मिलित किए गए हैं।

साक्षी हिंदी पाठमाला में साहित्य की सभी विधाओं–कविता, कहानी, चित्रकथा, लोककथा, डायरी लेखन, संस्मरण, जीवनी, लेख, निबंध, एकांकी, यात्रा वृत्तांत आदि का समावेश है। हिंदी निदेशालय भारत सरकार द्वारा संस्तुत वर्तनी के पारंपरिक व मानक दोनों रूपों से बच्चों को अवगत कराया गया है। इस पुस्तक शृंखला का उद्देश्य बच्चों की सृजनशीलता, मौलिकता, कल्पनाशीलता, जिज्ञासा एवं चारित्रिक विकास पर बल देना है। आशा है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पुस्तक को और अधिक रोचक, स्तरीय एवं प्रामाणिक बनाने हेतु विद्वानों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

—लेखिकाएँ

विषय-सूची

1. हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं (कविता) 1
2. गलती का अहसास (नैतिक कहानी) 6
3. रोबो (आधुनिक कहानी) 12
4. भलाई का काम (डायरी) 18
   • क्या आप जानते हैं? 22
5. सत्य का पालन (जीवनी + प्रेरक प्रसंग) 24
6. दादा जी की वापसी (पत्र) 30
7. डाकिया (कविता) 36
8. सुनहरे मोर (कहानी) 41
   • क्या आप जानते हैं? 48
9. पिज़्ज़ा (एकांकी) 50
10. एडवेंचर आइलैंड (यात्रा-वृत्तांत) 57
11. उचित-अनुचित (चित्रकथा) 63
12. चाँद का हठ (कविता) 65
   • क्या आप जानते हैं? 70
13. पोंगल (निबंध) 72
14. टिपटिपवा (लोककथा) 77
15. कछुआ (कहानी) 83
16. यज्ञ का घोड़ा (पौराणिक कथा) 90
17. कल सपने में (कविता केवल पढ़ने के लिए) 97
   • क्या आप जानते हैं? 99
   • प्रश्न-पत्र–1 101
   • प्रश्न-पत्र–2 103

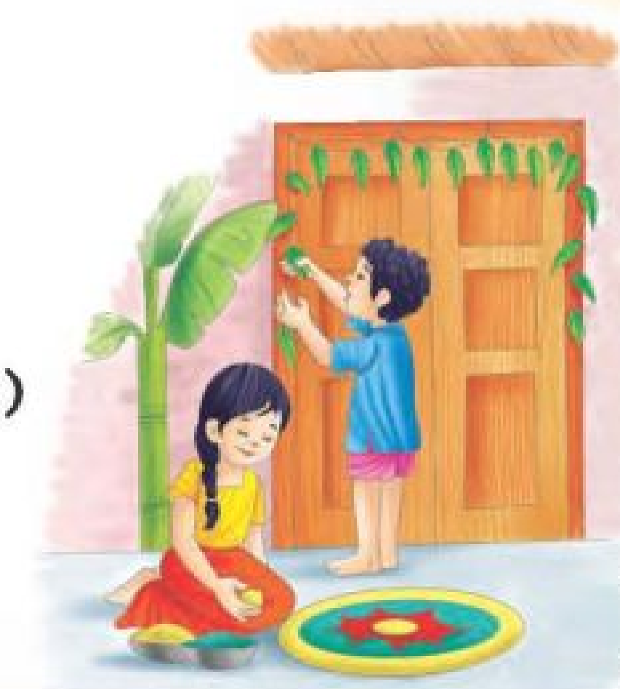

पाठ संबंधी गतिविधियाँ

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	शैक्षिक गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
1. हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं (कविता)	कविता को लय में पढ़ना, सही उच्चारण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	शब्दों को वर्णमाला के अनुसार क्रमबद्ध करना, संयुक्त व्यंजन, समानार्थी, विलोम, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर लिखना एवं बहुविकल्पीय प्रश्न।	राष्ट्रीय झंडे में रंग भरना, कविता लेखन, सामूहिक चर्चा, चार्ट बनाना, नैतिक एवं काल्पनिक प्रश्नों के उत्तर देना।	देश एवं झंडे के प्रति श्रद्धा की भावना, बच्चों में सम्मान, साहस, वीरता एवं देशभक्ति की भावना जाग्रत करना।
2. गलती का अहसास (नैतिक कहानी)	नैतिक कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	संज्ञा, विशेष्य-विशेषण का मिलान, पशुओं की बोली, किसने किससे कहा, सही-गलत, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रश्नों के उत्तर लिखना।	चित्र वर्णन, अच्छी-बुरी आदतों को जानना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	लालच न करना, बुरी आदतों से बचना। अपनी गलती को सुधारने की सीख देना।
3. रोबो (आधुनिक कहानी)	आधुनिक कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	वाक्य रचना, वचन, विलोम शब्द, किसने किससे कहा, वाक्य पूरे करना, बहुविकल्पीय प्रश्न एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	रोबोट संबंधी जानकारी व उसके क्रियाकलाप आदि को जानना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति की जानकारी देना।
4. भलाई का काम (डायरी)	डायरी का पाठन, शुद्ध उच्चारण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	विलोम शब्द, ई प्रत्यय, क्रिया शब्द, वाक्य पूरे करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, व लिखित प्रश्नों के उत्तर देना।	चित्र देखकर वाक्य निर्माण, शीर्षक लिखना, ट्रैफिक के नियमों की जानकारी, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	दूसरों की मदद करने की सीख देना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
5. सत्य का पालन (जीवनी + प्रेरक प्रसंग)	प्रसंग का वाचन, शुद्ध उच्चारण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, सर्वनाम शब्द, वाक्य पूरे करना, बहुविकल्पीय प्रश्न एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	चित्र का अवलोकन करना, कहानी पढ़ना व सुनना, जीवन वृत्तांत तैयार करना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	महान लोगों के जीवन से प्रेरणा प्राप्त करना। सत्यता का महत्व समझाना।
6. दादा जी की वापसी (पत्र)	पत्र का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण व मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	अनुनासिक शब्द, विलोम शब्द, पत्र लेखन, सही-गलत, बहुविकल्पीय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	प्रदूषण के प्रमुख कारण जानना, संचार साधनों का ज्ञान, फीतियाँ बनाना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रदूषण के प्रति सजग करना।
7. डाकिया (कविता)	कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	विशेषण, समानार्थक, शब्द युग्म, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, बहुविकल्पीय प्रश्न व प्रश्नों के उत्तर लिखना।	कामगारों की पहचान, संचार व्यवस्था का ज्ञान, प्रोजेक्ट बनाना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	संचार प्रणाली का ज्ञान एवं जीवन में संचार का महत्व समझाना।
8. सुनहरे मोर (कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	कारक, क्रिया, सही-गलत, बहुविकल्पीय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	चित्र देखकर वाक्य लिखना, कहानियाँ पढ़ना व सुनना, राजाओं के बारे में जानकारी एकत्र करना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	बौद्धिक क्षमता का विकास करना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	शैक्षिक गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
9. पिज़्ज़ा (एकांकी)	एकांकी का रोचक ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	सर्वनाम शब्द, विलोम शब्द, वर्ण विच्छेद, किसने कहा, मिलान करना, बहुविकल्पीय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	नाप-तोल की जानकारी, संवाद लेखन, खान-पान संबंधी अच्छी आदतों को जानना, चार्ट बनाना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्न।	'फास्ट फूड' पिज़्ज़ा के आविष्कार की रोचक जानकारी देना।
10. एडवेंचर आइलैंड (यात्रा-वृतांत)	यात्रा-वृतांत का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण, मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	अनेकार्थी शब्द, विशेषण, पर्यायवाची, घटनाक्रम में लगाना, वाक्य पूरे करना, प्रश्नों के उत्तर लिखना।	विश्व के आश्चर्यों के बारे में जानना, मनपसंद जगह का चित्र लगाकर उसके संबंध में कुछ वाक्य लिखना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	दर्शनीय स्थल की रोचक जानकारी देना।
11. उचित-अनुचित (चित्रकथा)	–	–	–	विपरीत परिस्थितियों में बुद्धि से काम लेने की सीख देना।
12. चाँद का हठ (कविता)	कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	लय-ताल मिलाना, पर्यायवाची, शुद्ध-अशुद्ध शब्दों का ज्ञान, लिंग की पहचान, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, बहुविकल्पीय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	चित्र देखकर वाक्य लिखना, कविता संग्रह करना, कविता वाचन करना, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	हठ न करने की सीख, चाँद से संबंधित जानकारी देना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
13. पोंगल (निबंध)	निबंध का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण, मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	पर्यायवाची, वचन, समश्रुति भिन्नार्थक शब्द, मिलान करना, बहुविकल्पीय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	त्योहारों की जानकारी त्योहारों का महत्व काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	जीवन में त्योहारों का महत्व समझाना। धार्मिक स्वतंत्रता व संपन्नता से परिचय करवाना।
14. टिपटिपवा (लोककथा)	रोचक लोककथा का पाठन, शुद्ध उच्चारण, मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	लोकोक्ति व मुहावरे, विशेषण, आवाज़ों का मिलान, बहुविकल्पीय प्रश्न एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	चित्र पूरा करके रंग भरना, पशु-पक्षियों की आवाज़ पहचानना, लोककथाओं को सुनना व सुनाना, राष्ट्रीय प्रतीकों की जानकारी, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	लोककथाओं के माध्यम से देश की संस्कृति का ज्ञान देना।
15. कछुआ (कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शुद्ध उच्चारण, मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	वचन, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, विराम चिह्न, किसने किससे कहा, वाक्य पूरे करना, बहुविकल्पीय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	आकृतियों से डिजाइन बनाना, दर्पण की सहायता से उलटे-लिखे को पढ़ना, काल्पनिक व नैनिक प्रश्नों के उत्तर देना।	जीवों के प्रति दया का भाव जाग्रत करना।
16. यज्ञ का घोड़ा (पौराणिक कथा)	पौराणिक कथा का वाचन, शुद्ध उच्चारण, मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	विशेषण, क्रियाविशेषण, विलोम शब्द, सही-गलत घटनाक्रम में लगाना, बहुविकल्पीय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखना।	रामायण संबंधी जानकारी, घटना का वर्णन, नाट्य मंचन, काल्पनिक व नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रसिद्ध ग्रंथों का ज्ञान एवं उनका महत्व समझाना।
17. कल सपने में (कविता)	–	–	–	मनोरंजन करना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।

पाठ्यक्रम

तीसरी, चौथी और पाँचवी कक्षा के लिए हिंदी पाठ्यक्रम–

दूसरी कक्षा के अंत तक विद्यार्थी परिचित शब्द और उनके योग से बनने वाले वाक्य आसानी से पढ़ सकेंगे और पढ़ने की कुशलताओं पर अधिकार प्राप्त कर सकेंगे। इन कक्षाओं में पिछली योग्यताओं का विकास करते हुए मातृभाषा की नई योग्यताओं का विकास करना है।

विश्व के सभी देशों की मातृभाषा के पाठ्यक्रम कुछ इस प्रकार तैयार किए जाते हैं कि विद्यार्थी अपने स्तर की कहानियाँ पढ़कर उनका आनंद ले सकें। वे प्रकृति के सौंदर्य, देश-प्रेम आदि की सरल और सहज कविताएँ पढ़कर अपने शब्दों में उनकी सराहना कर सकें। अपने स्तर के विषयों पर अनुच्छेद या छोटा-सा निबंध लिख सकें। विद्यार्थियों के भावी जीवन में भाषा से संबंधित जो भी आवश्यकताएँ होंगी उनकी तैयारी पाँचवीं कक्षा तक पूरी हो जानी चाहिए। पहली कक्षा से चौथी कक्षा तक उन्होंने जो कुछ भी सीखा है, उसका विस्तार पाँचवीं कक्षा में अपेक्षित होगा।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षाओं में मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य–

- दूसरों के विचारों को सुनकर समझने की योग्यता का विकास करना।
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना।
- शिष्टाचार, धैर्य और ध्यानपूर्वक सुनने की योग्यता का विकास करना।
- अपने विचारों को लिखकर अभिव्यक्त करने की योग्यता का विकास करना।
- व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करने में समर्थ बनाना।
- अध्ययन की कुशलताओं का विकास करना।
- सौंदर्यानुभूति एवं सृजनशीलता का विकास करना।
- भाषा के सौंदर्य की सराहना करने की योग्यता का विकास करना।
- चिंतन की योग्यता का विकास करना।
- लेखन संबंधी योग्यताओं का विकास करना।
- भाषा के प्रमुख तत्वों से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को भाषायी क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सर्वधर्म समभाव का विकास करना। सभी धर्मों के प्रति आदर और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का विकास करना।
- अपने क्षेत्र विशेष तथा देश के प्रति प्रेम और गौरव की भावना का विकास करना।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के विद्यार्थियों से मातृभाषा संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

सुनने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- मातृभाषा की ध्वनियों को सुनकर विभेदीकरण करना; जैसे– श-ष, स, ब-भ, क्ष-छ, च्छ, ड-द, र-ढ़, द्य-ध्य आदि।
- सुनने संबंधी शिष्टाचार का पालन करना।
- सुनी हुई बात के संबंध में प्रश्न करना।
- वार्तालाप, संवाद और विचार-विमर्श को सुनकर समझना।
- कहानियाँ, कविताएँ, पहेलियाँ, नाटक, चित्र वर्णन, संक्षिप्त भाषण, विवरण आदि को सुनकर समझना और उनका आनंद लेना।
- वक्ता के मनोभावों–हर्ष, क्रोध, आश्चर्य, घृणा, झिड़की, करुणा, व्यंग्य आदि को समझना।
- विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र कर उसे समझकर याद रखना।

बोलने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- मातृभाषा की सभी ध्वनियों (स्वर, व्यंजन, मात्रा सहित व्यंजन, संयुक्ताक्षर, संयुक्त व्यंजन तथा परिचित एवं अपरिचित शब्दों) का शुद्ध उच्चारण करने में समर्थ होना।
- भाषा-संबंधी सभी सामूहिक क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेना।
- कविता का उचित हाव-भाव से पाठन करना।
- कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन करना।
- अपनी बात आत्मविश्वास के साथ कहना।
- व्याकरण-सम्मत भाषा का प्रयोग करना।
- अपने विचारों को स्वतंत्र व क्रमबद्ध रूप से व्यक्त करना।
- वार्तालाप, नाटक, लघु भाषण आदि में सक्रिय रूप से भाग लेना।
- कहानियाँ सुनाने, पहेलियाँ बूझने, अंत्याक्षरी, लघु भाषण आदि का अभ्यस्त होना।
- बोलने संबंधी शिष्टाचार का पालन करना।

पढ़ने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- परिचित और अपरिचित शब्दों का शुद्ध उच्चारण करना।
- गद्य और पद्य का उचित आरोह-अवरोह के साथ धारा प्रवाह में पढ़ना।
- शब्दों और मुहावरों का अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग करना।

- पठित वस्तु के महत्त्वपूर्ण तथ्य, मुख्य विचार और केंद्रीय भाव को पहचानना।
- बाल-साहित्य आदि की उपलब्ध सामग्री को पढ़ना।
- पत्र, चार्ट, पोस्टर आदि की लिखित सामग्री को सहजता से पढ़ना।
- मौन पाठन द्वारा पाठ्यवस्तु का अर्थग्रहण करने की योग्यता प्राप्त करना।

लिखने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- परिचित और अपरिचित शब्दों व वाक्यों को शुद्ध रूप से लिखना। लिखते हुए व्याकरण-सम्मत शुद्ध एवं प्रांञ्जल भाषा का प्रयोग करना।
- लेखन संबंधी नियमों एवं कुशलताओं का ज्ञान होना।
- पूर्ण-विराम, अर्द्ध-विराम, प्रश्नवाचक एवं विस्मय बोधक चिह्नों का सही प्रयोग करना।
- औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों को लिखने में समर्थ होना।
- अपने विचारों को लिखकर प्रकट करने में समर्थ होना।
- शब्दों एवं वाक्यों का अनुलेख और श्रुतलेख लिखना।
- चित्र वर्णन, यात्रा वर्णन, संवाद लेखन तथा सरल विषयों पर अनुच्छेद एवं निबंध लिखना।

चिंतन संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- अपने स्तर के अनुरूप किसी बात को सुनकर या पढ़कर समझना, उस विषय में प्रश्न करना तथा किए गए प्रश्नों के निःसंकोच उत्तर देना।
- सुनी हुई या पढ़ी हुई बातों में उचित-अनुचित का भेद करना।
- दो वस्तुओं या स्थानों की तुलना में समर्थ होना।
- पठित वस्तु के शीर्षक के आधार पर विषय-वस्तु को समझना, केंद्रीय भाव तथा सारांश बताना।
- यथार्थ और कल्पना में अंतर कर पाना।
- वर्णित घटना या दृश्यावलोकन के बारे में प्रतिक्रिया करना।
- मूर्त विषयों के बारे में अनुभूति और भाव व्यक्त करने के लिए सही शब्द चुनना।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के लिए शैक्षिक क्रियाकलाप–

- विभिन्न विषयों पर आधारित–क्यों, कैसे, क्या वाले प्रश्नों को पूछना तथा कक्षा के सभी विद्यार्थियों की उसमें प्रतिभागिता सुनिश्चित करना।
- हिंदी वर्णमाला की सूक्ष्म अंतर वाली ध्वनियों में विभेदीकरण तथा शुद्ध उच्चारण का प्रशिक्षण देना।
- सामूहिक एवं व्यक्तिगत रूप से कविता, कहानी, घटना आदि को सुनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- वाद-विवाद तथा लघु भाषणों द्वारा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करना।
- विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने तथा उनका संचालन करने संबंधी कार्य करवाना।
- परिचित एवं अपरिचित विषयों पर संवादों का आयोजन करना।
- अधूरी कहानी को पूरा करवाना तथा अनुमान के आधार पर घटना या कहानी का वर्णन करवाना।
- पाठ्यपुस्तक तथा अतिरिक्त सामग्री को पढ़ते समय उच्चारण, विराम चिह्न, उचित स्थान पर बलाघात आदि पर ध्यान देते हुए पढ़वाना। उचित गति एवं प्रवाह के साथ पढ़ने पर बल देना।
- मौन वाचन करवाना, चित्र, चार्ट, मानचित्र, विज्ञापन, पत्र एवं सूचना पट से संबंधित लिखित सामग्री पर अनेक प्रश्न पूछना।
- शब्दों एवं वाक्यों का अनुलेख एवं श्रुतलेख करवाना।
- विभिन्न विषयों पर चित्र, मॉडल, चार्ट आदि तैयार करवाना तथा उनका विवरण लिखवाना।
- सरल विषयों पर अनुच्छेद या निबंध लिखना।
- चित्र देखकर वाक्य, कहानी, कविता, अनुच्छेद लिखवाना।

पाठ्य-सामग्री एवं विषय-वस्तु–

कक्षा 3, 4 और 5 के लिए पाठ्यपुस्तक अभ्यास पुस्तिका सहित तैयार की गई है। इन पुस्तकों के क्रमशः 112, 140 और 140 पृष्ठ तैयार किए गए हैं। पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु उद्देश्यों, योग्यताओं और शैक्षिक क्रियाकलापों पर आधारित है। बच्चों के परिवेश से संबंधित सामग्री तथा भाषायी कुशलताओं और योग्यताओं को ध्यान में रखकर विषय सामग्री तैयार की गई है। निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक का निर्माण किया गया है–

दर्शनीय स्थल, यात्रा वर्णन, खोज, महापुरुषों की जीवनियाँ, पत्र, डायरी, कविताएँ, एकांकी, निबंध, लेख, त्योहार, पर्यावरण, सर्वधर्म समभाव, नैतिक मूल्यपरक पाठ आदि।

1 हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं

हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं,
नादान उम्र के कच्चे हैं,
पर अपनी धुन के सच्चे हैं।

जननी की जय-जय गाएँगे,
भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।

अपना पथ कभी न छोड़ेंगे,
अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से नाता जोड़ेंगे।

हिमगिरि पर चढ़ जाएँगे,
भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।

हम भय से कभी न डोलेंगे,
अपनी ताकत को तोलेंगे,
जननी की जय-जय बोलेंगे।

अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे,
भारत की ध्वजा उड़ाएँगे।

–सोहनलाल द्विवेदी

शब्दार्थ

नन्हे – छोटे	नादान – नासमझ	धुन – लगन	ध्वजा – झंडा
पथ – रास्ता	प्रण – प्रतिज्ञा	जननी – माता	भेंट – उपहार

शिक्षण संकेत

- बच्चों को निडर बनने की प्रेरणा दें।
- बच्चों में देश के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें।
- देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने हेतु बच्चों को तैयार रहना सिखाएँ।
- उपरोक्त गुणों को ध्यान में रखते हुए बच्चों को कविता वाचन करवाएँ।

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

नन्हे ध्वजा प्रण हिम्मत भेंट

2. **सोचकर बताइए–**

(क) बच्चे कैसे हैं?

(ख) बच्चे किसकी ध्वजा फहराना चाहते हैं?

(ग) बच्चे किसे न छोड़ने की बात कर रहे हैं?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) बच्चे किसकी जय-जयकार करेंगे?

....

(ख) बच्चे किससे नाता जोड़ने की बात कर रहे हैं?

....

(ग) बच्चे क्या भेंट चढ़ाना चाहते हैं?

....

2. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–**

(क) जननी की जय-जय गाएँगे,

....

(ख) अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,

....

(ग) हम भय से कभी न डोलेंगे,

....

3. उपयुक्त शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) बच्चे अपनी धुन के .... हैं।

(*i*) कच्चे ☐ (*ii*) पक्के ☐ (*iii*) सच्चे ☐

(ख) बच्चे .... से कभी न डोलेंगे।

(*i*) हिम्मत ☐ (*ii*) भय ☐ (*iii*) लय ☐

(ग) बच्चे .... पर चढ़ जाएँगे।

(*i*) हिमगिरि ☐ (*ii*) छत ☐ (*iii*) सीढ़ी ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों को वर्णमाला के अनुसार क्रमबद्ध कीजिए–

भारत	नादान	ताकत
....	....	....
अपना	हिम्मत	जननी
....	....	....

वर्णमाला में वर्णों को क्रम से लिखा जाता है। शब्दों को वर्णमाला के अनुसार लगाते समय पहले स्वर से शुरू होने वाले, उसके बाद व्यंजनों से शुरू होने वाले शब्द रखे जाते हैं। इसके अतिरिक्त स्वर व व्यंजनों का क्रम भी देखा जाता है; जैसे– कमर, नयन, अमर को वर्णमाला के अनुसार इस प्रकार लिखा जाएगा– अमर, कमर, नयन।

2. नीचे दिए शब्दों को देखकर एक शब्द आप लिखिए–

न्	+	ह	=	न्ह	नन्हे	उन्हें	....
च्	+	च	=	च्च	सच्चा	कच्चा	....
म्	+	म	=	म्म	सम्मान	हिम्मत	....
ध्	+	व	=	ध्व	ध्वजा	ध्वस्त	....

3. नीचे दिए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए–

जय .... ध्वजा ....

पथ .... नादान ....

4. नीचे दी गई वर्ग पहेली से विलोम शब्द छाँटकर लिखिए–

झू	प	रा	ज	य
ठा	रा	प	क्का	न
ल	या	व	त	द
स	म	झ	दा	र
क	ट	जो	ड़	ना

जय – .... कच्चा – ....

सच्चा – .... नादान – ....

अपना – .... तोड़ना – ....

5. नीचे दी पंक्तियों को पढ़कर उत्तर दीजिए–

आगे ही बढ़ता जाऊँ मैं,
धरती को स्वर्ग बनाऊँ मैं,
खेतों में आस जगाऊँ मैं,
माटी से स्वर्ण उगाऊँ मैं,
बस इतनी-सी है चाह मेरी।
थोड़ी मुश्किल है राह मेरी।।

(क) किसको स्वर्ग बनाने की इच्छा प्रकट की गई है?

(*i*) आकाश को ☐ (*ii*) धरती को ☐ (*iii*) पाताल को ☐

(ख) कवि माटी से क्या उगाना चाहता है?

(*i*) स्वर्ण ☐ (*ii*) ताम्र ☐ (*iii*) कांस्य ☐

(ग) धरती का समानार्थी शब्द क्या है?

(*i*) मिट्टी ☐ (*ii*) ग्रह ☐ (*iii*) वसुंधरा ☐

(घ) कवि की राह कैसी है?

(*i*) कठिन ☐ (*ii*) सरल ☐ (*iii*) कंटीली ☐

(ङ.) मुश्किल शब्द का विलोम क्या है?

(*i*) कठिन ☐ (*ii*) आसान ☐ (*iii*) मुसीबत ☐

कविता से आगे

- देश को अच्छा बनाने के लिए शुरुआत घर से करनी पड़ेगी। आप अपने घर को अच्छा बनाने के लिए कौन-कौन से कार्य करेंगे?

नन्हे हाथों से

- **तिरंगे झंडे में क्रम से केसरिया, सफ़ेद व हरा रंग भरिए। अब इस तिरंगे को देखकर छोटी-सी कविता लिखिए।**

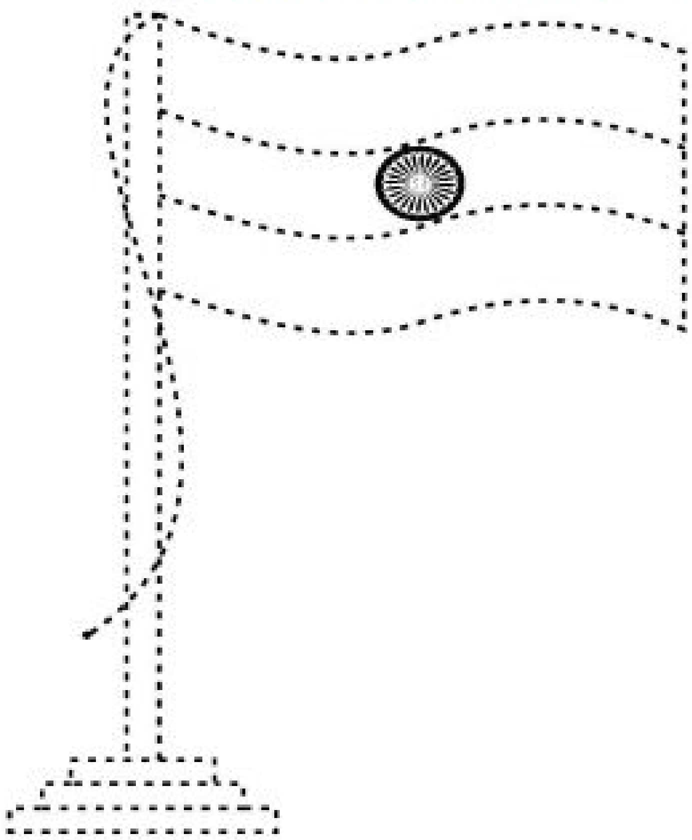

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- बच्चे देश की उन्नति के लिए क्या-क्या काम कर सकते हैं? अध्यापिका की सहायता से कक्षा में चर्चा कीजिए तथा उन विचारों को चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि किसी सभा में राष्ट्रीय गान शुरू हो रहा हो तो–**

(क) राष्ट्रीय गान के सम्मान हेतु खड़े हो जाएँगे। ☐

(ख) बैठे रहेंगे। ☐

(ग) खड़े तो हो जाएँगे पर बातें करने में लगे रहेंगे। ☐

2 गलती का अहसास

भीषण गरमी के बाद सुंदरवन में वर्षा हुई। सभी जानवर गरमी से व्याकुल थे। बारिश से सभी को राहत मिली। बरसात के मौसम की शुरुआत का उत्सव मनाने के लिए जंगल के राजा शेरखान ने पार्टी की घोषणा की। पार्टी में सभी पशु-पक्षी आमंत्रित किए गए। जानवरों के लिए शाकाहारी व मांसाहारी भोजन की अलग-अलग व्यवस्था की गई।

पार्टी में सभी जानवर सज-धज कर आए। हाथी जी ड्रम बजाने लगे और अन्य जानवर नाचने-गाने लगे। कोयल ने मधुर तान छेड़कर पार्टी का मज़ा दोगुना कर दिया। पार्टी में आए जानवरों के बच्चों को शेरखान की ओर से उपहार दिए गए। बच्चे भी उपहार पाकर बहुत खुश थे। वे भी ड्रम की धुन पर थिरक रहे थे।

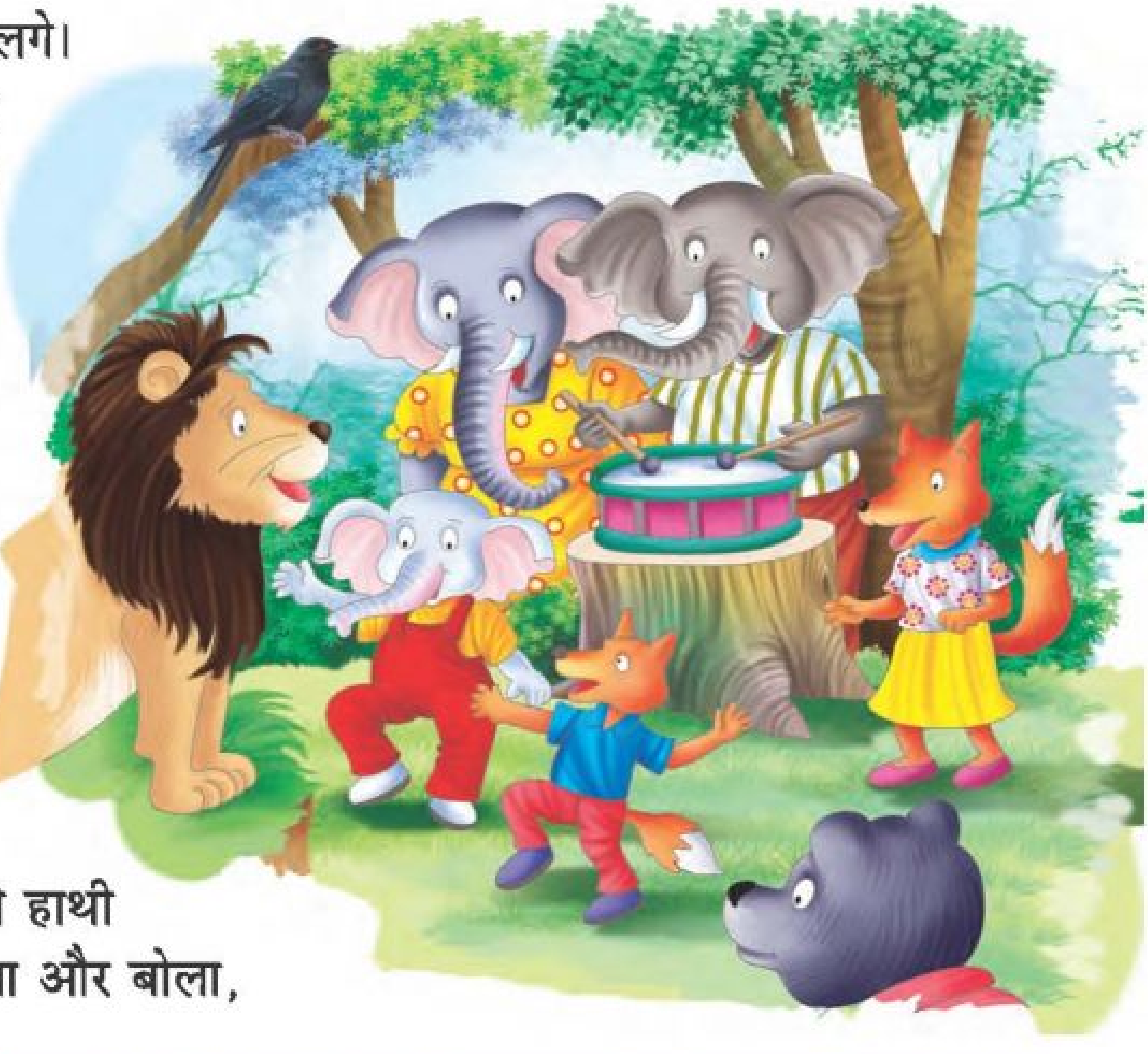

सभी मस्ती में झूम-नाच रहे थे कि तभी हाथी का बच्चा रोता हुआ आया और बोला,

शिक्षण संकेत

- बच्चों को सिखाएँ कि दूसरों की वस्तुएँ देखकर ललचाना नहीं चाहिए। लालच पैदा होने से मन में चोरी करने का भाव जागृत हो सकता है और चोरी करना पाप है।
- बच्चों को बताएँ कि यदि भूलवश कोई अपनी वस्तु आपके पास छोड़ जाए तो तुरंत उसे लौटा देनी चाहिए या उस ओर उसका ध्यान दिलाया जाना चाहिए।
- बच्चों में सद्गुणों का विकास बचपन से ही करें। यदि कोई बच्चा गलती करता है तो उसे प्यार से समझाएँ और उसे उचित-अनुचित का ज्ञान कराएँ।

"पिता जी! मेरा तोहफ़ा किसी ने चुरा लिया है।" पास खड़ी हथिनी ने उसे समझाया और चुप कराने की कोशिश की, परंतु वह रोता रहा। तब हथिनी ने उसे दूसरा तोहफ़ा लाकर दिया जिसे लेकर वह शांत हुआ। थोड़ी ही देर बाद लोमड़ी का बच्चा रोता हुआ आया। उसने भी यही शिकायत की, "मेरा तोहफ़ा किसी ने चुरा लिया है।" बस उसके बाद तो सभी बच्चे बारी-बारी से यही शिकायत करने लगे।

यह बात शेरखान तक पहुँची। उसने गार्ड कुत्ते को बुलाकर कहा, "देखो, यहाँ से कोई बाहर न जाने पाए। बारी-बारी से सबकी तलाशी लो और जिसने चोरी की है, उसे मेरे समक्ष लाओ।" कुत्ते ने सबकी तलाशी ली पर उसे किसी के पास कोई तोहफ़ा नहीं मिला। तभी शेरखान की दृष्टि छोटे भालू पर पड़ी। उसका पेट कुछ ज़्यादा ही मोटा लग रहा था। शेरखान ने मधुमक्खी को संकेत किया। मधुमक्खी को समझते देर न लगी। वह तुरंत छोटे भालू के कोट में घुस गई और उसे काटने लगी। परेशान होकर छोटे भालू ने बाहर जाने की अनुमति माँगी।

शेरखान ने उससे बाहर जाने का कारण पूछा। छोटे भालू ने घबराते हुए कहा, "लगता है, कोट में कोई कीड़ा घुस गया है।" शेरखान ने कहा, "तो कोट उतार दो।" छोटा भालू असमंजस में था, तभी कुत्ते ने झपट्टा मारकर कोट के सारे बटन तोड़

दिए। जितने भी तोहफ़े छोटे भालू ने छिपाए थे, सारे धड़ाधड़ नीचे गिरने लगे। मधुमक्खी भी कोट से बाहर आ गई और बोली, "मुझे पहले ही संदेह था, इस भालू पर। यह हमारा जमा किया हुआ शहद भी चुराकर खा जाता है।" छोटा भालू अपने किए पर शरमिंदा था। वह सिर झुकाए खड़ा रहा। शेरखान ने सारे तोहफ़े फिर से बच्चों में बँटवा दिए और छोटे भालू से कहा, "तुरंत जंगल छोड़कर चले जाओ। इस जंगल में चोर का कोई काम नहीं।" भालू अपने दोस्तों को छोड़कर नहीं जाना चाहता था। वह गिड़गिड़ाने लगा, "तोहफ़े देखकर मेरे मन में लालच आ गया था। मुझे क्षमा कर दो। आगे से ऐसी गलती नहीं होगी।" सभी जानवरों ने उसे क्षमा कर देने के लिए शेरखान से विनती की। शेरखान ने कहा, "ठीक है। यह तुम्हारी पहली गलती थी। यदि यह गलती दोबारा की तो तुम्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी।" छोटे भालू ने हाथ जोड़कर कहा, "नहीं महाराज! दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी। मुझे अपनी गलती का अहसास हो गया है।" पार्टी समाप्त होने पर सभी खुशी-खुशी अपने घर की ओर चल दिए।

शब्दार्थ

राहत	चैन, आराम	उत्सव	जश्न	आमंत्रण	बुलावा	व्यवस्था	प्रबंध
उपहार	तोहफ़ा	अनुमति	आज्ञा	असमंजस	दुविधा	संदेह	शक

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

कुत्ता - कुत्ता   गरमी - गर्मी

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

सुंदरवन   पार्टी   घोषणा   शिकायत   तलाशी

2. सोचकर बताइए–

(क) शेरखान को छोटे भालू पर क्यों संदेह हुआ?

(ख) शेरखान ने छोटे भालू को क्यों क्षमा कर दिया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पार्टी की घोषणा क्यों की गई?

....

(ख) बच्चों के रोने का क्या कारण था?

....

(ग) शेरखान का संकेत पाकर मधुमक्खी ने क्या किया?

....

(घ) छोटे भालू ने तोहफ़े क्यों चुराए थे?

....

2. किसने, किससे कहा?

		किसने कहा	किससे कहा
(क)	पिता जी! मेरा तोहफ़ा किसी ने चुरा लिया है।	....	....
(ख)	बारी-बारी से सबकी तलाशी लो।	....	....
(ग)	मुझे पहले ही संदेह था, इस भालू पर।	....	....
(घ)	इस जंगल में चोर का कोई काम नहीं।	....	....

3. नीचे दिए वाक्यों पर सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) गरमी का मौसम आने पर उत्सव मनाया गया। ☐

(ख) बच्चे आइसक्रीम खाकर बहुत खुश थे। ☐

(ग) कुत्ते ने चोर को ढूँढ़ निकाला था। ☐

(घ) छोटे भालू ने तोहफ़े चुराए थे। ☐

4. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) पार्टी का आयोजन किसने करवाया था?

(*i*) भालू ने ☐ (*ii*) शेरखान ने ☐ (*iii*) हाथी ने ☐

(ख) पार्टी में ड्रम किसने बजाया था?

(*i*) हाथी ने ☐ (*ii*) लोमड़ी ने ☐ (*iii*) मधुमक्खी ने ☐

(ग) छोटा भालू क्यों परेशान हो गया?

(*i*) मधुमक्खी के काटने से ☐ (*ii*) लोमड़ी के डाँटने से ☐

(*iii*) शेरखान के डराने से ☐

(घ) शेरखान ने किसे जंगल छोड़कर जाने को कहा?

(*i*) मधुमक्खी को ☐ (*ii*) छोटे भालू को ☐ (*iii*) हाथी को ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों को अलग-अलग समूह में लिखिए–

ताजमहल, राधा, गाय, दिल्ली
लड़की, बकरी, अंतरा, सब्ज़ी

व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**
....	....
....	....
....	....
....	....

किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं और संपूर्ण जाति या समूह के नाम को **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे- **रंजन, मंयक** और **शोभित** खेल रहे थे। (व्यक्तिवाचक संज्ञा) **बच्चे** खेल रहे थे। (जातिवाचक संज्ञा)

2. उचित मिलान कीजिए–

विशेष्य	**विशेषण**
कुत्ता	चतुर
मधुमक्खी	खोजी
शेरखान	लालची
भालू	समझदार

3. कौन-सी बोली किसकी है–

हाथी, बकरी, भैंस, घोड़ा, कुत्ता, ऊँट, शेर, गधा

दहाड़ना, भौंकना, रेंकना, चिंघाड़ना, बिलबिलाना, रँभाना, हिनहिनाना, मिमियाना

(घोड़ा → हिनहिनाना)

कहानी से आगे

- यदि छोटा भालू चुपके से पार्टी से निकल जाता तो क्या होता?
- क्या शेरखान ने छोटे भालू को माफ़ करके ठीक किया?

नन्हे हाथों से

- **चित्र को देखकर कुछ वाक्य लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- ऐसी कौन–कौन सी आदतें हैं जो आपको बहुत बुरी लगती हैं और जिन्हें आप कभी अपनाना नहीं चाहेंगे। उनकी सूची तैयार कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपका सहपाठी आपके पास आकर बातचीत करे और फिर अपनी पेंसिल आपके डेस्क पर भूलवश छोड़कर चला जाए तो–**

(क) उसे यथावत पड़ी रहने देंगे। ☐

(ख) उसे उठाकर अपने बैग में रख लेंगे। ☐

(ग) उसे उठाकर सहपाठी को दे देंगे। ☐

- **यदि आपके सामने कोई छात्र किसी अन्य छात्र का सामान चोरी कर रहा हो तो–**

(क) उसकी शिकायत अध्यापक/अध्यापिका से करेंगे। ☐

(ख) उसे ऐसा करने से रोकेंगे। ☐

(ग) उसे देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐

3 रोबो

टिमटिम एक छोटी-सी बच्ची थी। सभी उसे बहुत प्यार करते थे। नन्ही-मुन्नी, दूध-सी उजली, गोल-मटोल और उस पर चॉकलेट-सी मीठी, प्यारी-प्यारी बातें। टिमटिम आज बहुत खुश थी, क्योंकि उसके लंदन वाले चाचा जी उसके लिए ढेर सारी चॉकलेट और एक रोबोट लाए थे। रोबोट सबसे हाथ मिलाता, टॉफी देता और सबको अपना नाम बताता था।

टिमटिम ने अपने सारे मित्रों को रोबोट से मिलवाया। किसी ने उसे कॉपी उठाकर लाने को कहा, तो किसी ने चॉकलेट। रोबोट ने सबकी इच्छा पूरी कर दी। यह देखकर टिमटिम के मित्र बहुत खुश हुए। टिमटिम की खुशी का तो ठिकाना ही नहीं था। आखिर उसके पास रोबोट जो था और ऐसा रोबोट उसके मित्रों ने पहले कभी नहीं देखा था।

जब टिमटिम के सारे मित्र अपने-अपने घर चले गए, तो वह अपने कमरे में रोबोट को लेकर बैठ गई और

शिक्षण संकेत

- बच्चों को रोबोट व कंप्यूटर से संबंधित जानकारी देते हुए पाठ का वाचन करवाएँ।
- रोबोट क्या कर सकता है और क्या नहीं कर सकता, जैसे प्रश्न बच्चों से पूछें।
- रोबोट और मनुष्य में क्या अंतर होता है? यह भी बच्चों को बताएँ।

उससे बातें करने लगी। टिमटिम ने कहा, "मुझे टी.वी. में कार्टून फिल्में देखना अच्छा लगता है और तुम्हें ...?" रोबोट चुप था। वह टिमटिम की ओर देख रहा था। टिमटिम की बातें जारी थीं।

"अच्छा चलो! मैं अब तुम्हारे बारे में पूछती हूँ। तुम मुझसे शरमाना नहीं।" टिमटिम ने बड़े सयानेपन से कहा, "अच्छा, तुम्हारे माता-पिता का क्या नाम है?" रोबोट ने अपने कंप्यूटर कार्यक्रम के अनुसार जवाब दिया- "मेरा नाम रोबो है।" टिमटिम ने अपनी बात दोहराते हुए कहा- "मुझे तुम्हारा नाम तो मालूम है। मैं तुम्हारे माता-पिता का नाम पूछ रही हूँ। बताओ, क्या नाम है उनका?" रोबो ने भी अपनी बात दोहराई। "मेरा नाम रोबो है।" "अच्छा, तुम क्या-क्या खेल खेलते हो?" "मेरा नाम रोबो है।" उसने अपनी रटी-रटाई बात फिर से दोहरा दी। टिमटिम ने रोबो के सिर पर हाथ फेरा और प्यार किया, परंतु वह एक ही बात बोलता रहा। टिमटिम ने रोबोट को बुरा-भला कहा और गुस्से में रोबो को उछालकर पलंग के नीचे फेंक दिया।

रोबो का मन तड़प उठा। उसका मन हुआ कि कह दे कि वह मशीन बनाने वाली एक बड़ी-सी फैक्टरी में बना है। वह एक मशीन है-मशीन। टिमटिम की बातों का उत्तर देने के लिए रोबो ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी। पर वह कुछ बोल न सका। उसकी मशीन खर्र-खर्र करने लगी मानो भूचाल आ गया हो। उसका अंग-अंग काँपने लगा और रोबो की मशीन बेकार हो गई। टिमटिम ने रोबोट को उठाया, उसे हिलाया-डुलाया और

नाम भी पूछा, लेकिन रोबो कुछ नहीं बोला। टिमटिम रोने लगी। "रोबो! तुम बोलते क्यों नहीं? मुझे क्षमा कर दो।" कहते-कहते टिमटिम का गला भर आया। उसकी आँखें डबडबा आईं और गुलाबी गालों के ऊपर आँसुओं की पतली धार बह चली।

शब्दार्थ

इच्छा – चाह, कामना
खुशी का ठिकाना न होना – बहुत खुश होना
सयानापन – बुद्धिमानी
उत्तर – जवाब
दोहराना – बार-बार कहना
रटी-रटाई – याद की हुई
शक्ति – ताकत
अंग-अंग काँपना – बहुत बुरी तरह हिलना
गला भर आना – भावुक हो जाना

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

प्यारी चॉकलेट कंप्यूटर फैक्टरी कार्यक्रम

2. सोचकर बताइए–

(क) लंदन वाले चाचा जी क्या लाए थे?
(ख) टिमटिम ने रोबोट को क्यों उछालकर फेंक दिया?
(ग) टिमटिम क्यों रो रही थी?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) टिमटिम क्यों खुश थी?

....

....

(ख) रोबोट ने सबकी इच्छा कैसे पूरी की?

....

....

(ग) रोबोट उत्तर क्यों नहीं दे पा रहा था?

....

....

(घ) रोबोट टिमटिम से क्या कहना चाहता था?

....

....

2. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्यों को पूरा कीजिए–

खुशी, रटी-रटाई, रोबोट, कंप्यूटर, काँपने

(क) टिमटिम ने अपने सारे मित्रों को .... से मिलवाया।

(ख) टिमटिम की .... का ठिकाना न था।

(ग) रोबोट ने अपने .... कार्यक्रम के अनुसार उत्तर दिया।

(घ) उसने अपनी .... बात दोहरा दी।

(ङ) उसका अंग-अंग .... लगा।

3. किसने, किससे कहा–

		किसने कहा	किससे कहा
(क)	"मेरा नाम रोबो है।"	....	....
(ख)	"तुम्हारे माता-पिता का क्या नाम है?"	....	....

4. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) रोबोट ने सभी को क्या दिया?

(*i*) चॉकलेट ☐ (*ii*) टॉफी ☐ (*iii*) मिठाई ☐

(ख) टिमटिम को टी.वी. में क्या देखना पसंद था?

(*i*) कार्टून फिल्म ☐ (*ii*) नाटक ☐ (*iii*) मैच ☐

(ग) रोबो की मशीन से कैसी आवाज़ आने लगी?

(*i*) खर्र-खर्र ☐ (*ii*) टर्र-टर्र ☐ (*iii*) चर-चर ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

घृणा – प्रेम	दुखी –	दुश्मन – ....
सवाल –	बुरा –	हँसना – ....

2. नीचे दिए गए एकवचन शब्दों से बहुवचन शब्द बनाइए–

गुड़िया – गुड़ियाँ	झाड़ी –	कॉपी – ....
गली –	नदी –	साड़ी – ....

3. नीचे दिए गए वाक्यों में फालतू शब्दों को ढूँढ़कर उन पर ◯ लगाइए–

(क) बाज़ार से पीला पका पपीता ले आओ।

(ख) अरे! जूस में इतनी सारी ठंडी बर्फ़ क्यों डाल दी?

(ग) जाओ, बगीचे से कुछ ताज़े नींबू तोड़ लाओ।

(घ) बेकार की फ़ालतू बहस मत करो।

कभी-कभी बातचीत करते समय हम कुछ ऐसे शब्द बोल देते हैं जिनकी कोई आवश्यकता नहीं होती। यही गलती हम लिखते समय भी करते हैं।

कहानी से आगे

- सोचो, यदि रोबोट भी इंसानों की तरह अपनी इच्छा से कार्य करने लगे तो क्या होगा?
- यदि आपके पास ऐसा रोबोट हो जो आपके सारे काम कर दे, तो आप उससे कौन-कौन से कार्य करवाना पसंद करेंगे?

नन्हे हाथों से

- **इनमें से जो कार्य रोबोट नहीं कर सकता, उस पर (✗) लगाइए।**

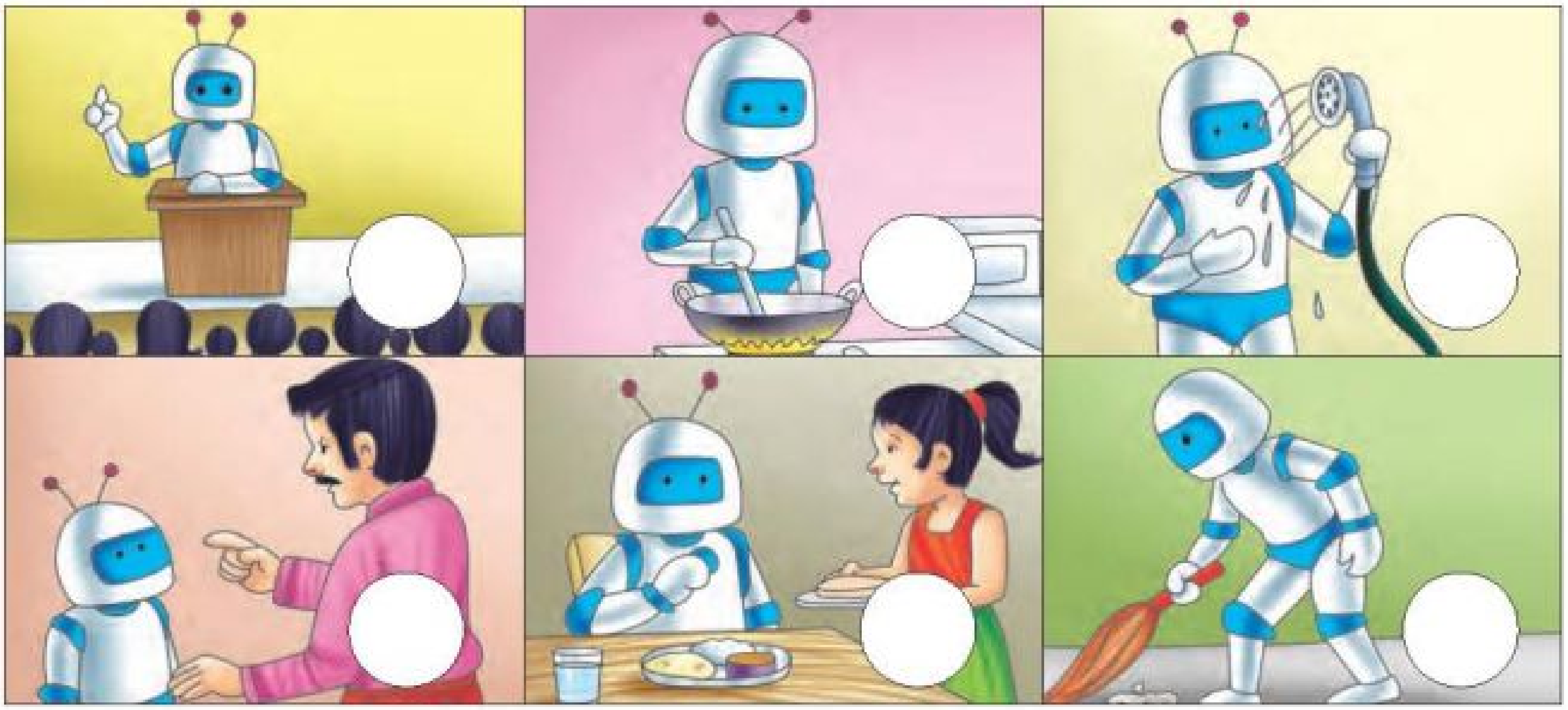

कुछ करने को

- टी.वी. पर प्रसारित होने वाले रोबोट से संबंधित कार्यक्रमों की सूची बनाइए तथा उनके विषय में कक्षा में चर्चा कीजिए।
- रोबोट कौन-कौन से कार्य कर सकता है और कौन-कौन से नहीं, सूची तैयार कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपके जन्मदिन पर आपको एक बढ़िया-सा खिलौना भेंट में मिले तो–**

  (क) अपने मित्रों के साथ मिलकर उससे खेलेंगे। ☐

  (ख) उसे सबसे छिपाकर रखेंगे। ☐

  (ग) उसे दिखाकर सबको चिढ़ाएँगे। ☐

- **आपके देर तक खिलौनों से खेलते रहने पर यदि आपकी माता जी आपको टोके तो–**

  (क) उनकी बात पर ध्यान न देकर खेलते रहेंगे। ☐

  (ख) उनकी बात मानकर खेलना बंद कर देंगे। ☐

  (ग) माता जी से छिपकर खेलेंगे। ☐

4 भलाई का काम

15-3-....

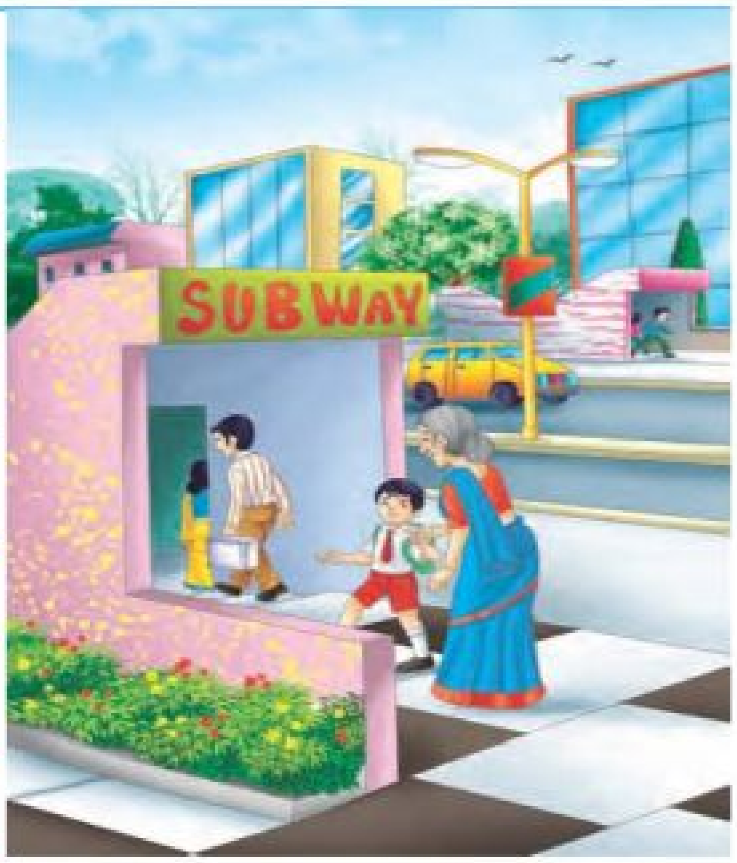

आज हमारी अध्यापिका ने हमें भलाई पर एक कहानी सुनाई। उन्होंने हमें सीख दी कि हमें प्रतिदिन एक भला कार्य करना चाहिए। यह बात मेरे मन में बैठ गई। मैं सोच रहा था कि मैं तो बहुत छोटा हूँ। मैं भला किसी की क्या भलाई कर सकता हूँ? यह सोचते-सोचते मैं घर जा रहा था।

तभी मैंने देखा कि एक बुढ़िया सड़क पार करना चाह रही थी लेकिन गाड़ियों की कतारों से घबराकर वह सड़क पार नहीं कर पा रही थी। मैं उनके पास गया और उन्हें समझाया-"माता जी, आप 'सबवे' से क्यों नहीं चली जातीं।" उन्हें मेरी बात समझ में नहीं आई। मैंने उनका हाथ पकड़ा फिर उन्हें 'सबवे' तक लेकर गया और कहा, "आप इसके अंदर जाइए। यह रास्ता सड़क के उस पार निकलेगा।" वह अंदर जाने से घबरा रही थी। इसलिए मैं उनके साथ गया और उन्हें सड़क के दूसरी तरफ़ छोड़कर आया। उन्होंने मुझे ढेर सारा आशीर्वाद दिया।

ऐसा करके मेरे मन को बहुत शांति मिली। 'सबवे' से लौटते समय मैंने मन में ठान लिया कि मैं प्रतिदिन एक भला काम अवश्य करूँगा।

महादेवन

शिक्षण संकेत

- बच्चों को अपने मन की बात डायरी में लिखने हेतु प्रोत्साहित करें।
- बच्चों के मन में अनेक जिज्ञासाएँ उठती हैं। उनके मन में कौन-कौन सी भावनाएँ उठती हैं, बातों के माध्यम से उन्हें जानने की कोशिश करें।
- बच्चों के मन में उठे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर देते हुए, उन्हें अपने विचारों को लिखने को कहें।

शब्दार्थ

प्रतिदिन	– रोज़	कतार	– पंक्ति	सबवे	– भूमिगत पैदल पार पथ
आशीर्वाद	– आशीष	अवश्य	– ज़रूर		

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

   बुढ़िया गाड़ियाँ घबराना आशीर्वाद

2. **सोचकर बताइए–**

   (क) महादेवन क्या सोच रहा था?

   (ख) बुढ़िया सड़क पार क्यों नहीं कर पा रही थी?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

   (क) अध्यापिका ने बच्चों को क्या सीख दी?

   ....

   (ख) महादेवन ने बुढ़िया को सड़क पार कैसे करवाई?

   ....

   (ग) 'सबवे' से लौटते समय महादेवन ने क्या ठान लिया?

   ....

2. **सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–**

   (क) हमें प्रतिदिन एक .... का कार्य करना चाहिए। (भलाई / बुराई)

   (ख) बुढ़िया .... पार करना चाह रही थी। (पुल / सड़क)

   (ग) महादेवन के मन को बहुत .... मिली। (शांति / कांति)

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) 'मैं तो बहुत छोटा हूँ।' यह कौन सोच रहा था?

(*i*) अध्यापिका ☐ (*ii*) महादेवन ☐ (*iii*) माता जी ☐

(ख) कौन सड़क पार करना चाह रहा था?

(*i*) महादेवन ☐ (*ii*) अध्यापिका ☐ (*iii*) बुढ़िया ☐

(ग) महादेवन ने बुढ़िया को सड़क पार कहाँ से करवाई?

(*i*) सबवे से ☐ (*ii*) जेब्रा क्रॉसिंग से ☐ (*iii*) चौराहे से ☐

भाषा ज्ञान

1. अंत में 'ई' लगाकर नए शब्द बनाइए–

भला – .... बुरा – .... पढ़ा – ....

लिखा – .... सुना – .... चढ़ा – ....

2. विलोम शब्द लिखिए–

भलाई – .... अंदर – ....

आज – .... छोटा – ....

समझदार – .... बूढ़ा – ....

3. नीचे दिए वाक्यों में क्रिया शब्दों पर ◯ लगाइए–

(क) गाड़ियाँ कतारों में चल रही थीं। (ख) चिड़िया आकाश में उड़ रही है।

(ग) मेघना मैगी खा रही है। (घ) विपुल बाजा बजा रहा था।

डायरी से आगे

- सबवे क्यों बनाए जाते हैं?
- यदि महादेवन बुढ़िया को सड़क पार नहीं करवाता तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- चित्र को देखकर आपके मन में जो विचार उठे, उन्हें कुछ वाक्यों में लिखिए–

कुछ करने को

- यातायात के प्रमुख चिह्नों के चित्र प्रोजेक्ट फाइल में चिपकाइए या स्वयं बनाइए। उनके विषय में कुछ पंक्तियाँ भी लिखिए।
- सड़क पार करते समय कौन-कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए? उनकी एक सूची तैयार कीजिए।

आप क्या करेंगे

- यदि आपको अकेले सड़क पार करनी हो तो–

  (क) भागकर सड़क पार करेंगे। ☐

  (ख) लाल बत्ती होने पर ही सड़क पार करेंगे। ☐

  (ग) लाल बत्ती होने पर पहले दाएँ फिर बाएँ, फिर दाएँ देखकर सड़क पार करेंगे। ☐

- यदि आप कहीं जा रहे हों तो–

  (क) सड़क के बीचों-बीच चलेंगे। ☐

  (ख) सड़क के किनारे चलेंगे। ☐

  (ग) फुटपाथ पर चलेंगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) हमारे देश के वर्तमान राष्ट्रपति का क्या नाम है?

(*i*) प्रणव मुखर्जी ☐ (*ii*) श्रीमती प्रतिभा पाटिल ☐
(*iii*) ज्ञानी जैल सिंह ☐ (*iv*) नीलम संजीव रेड्डी ☐

(ख) भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?

(*i*) डॉ. राधाकृष्णन ☐ (*ii*) डॉ. राजेंद्र प्रसाद ☐
(*iii*) नीलम संजीव रेड्डी ☐ (*iv*) ज्ञानी जैल सिंह ☐

(ग) भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री कौन थी?

(*i*) श्रीमती सरोजिनी नायडू ☐ (*ii*) श्रीमती प्रतिभा पाटिल ☐
(*iii*) श्रीमती इंदिरा गांधी ☐ (*iv*) कस्तूरबा गांधी ☐

(घ) भारत की पहली महिला राष्ट्रपति कौन थी?

(*i*) श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ☐ (*ii*) श्रीमती इंदिरा गांधी ☐
(*iii*) श्रीमती शैलजा कुमारी ☐ (*iv*) श्रीमती सुषमा स्वराज ☐

(ङ.) तिरंगे में हरा रंग किसका प्रतीक है?

(*i*) शांति का ☐ (*ii*) समृद्धि का ☐
(*iii*) वीरता का ☐ (*iv*) त्याग का ☐

(च) हमारा राष्ट्रगान कौन-सा है?

(*i*) जन-गण-मन ☐ (*ii*) वंदे मातरम ☐
(*iii*) सारे जहाँ से अच्छा ☐ (*iv*) ताकत वतन की हमसे है ☐

(छ) हमारे देश का राष्ट्रीय गीत कौन-सा है?

(*i*) रघुपति राघव ☐ (*ii*) जन-गन-मन ☐
(*iii*) वंदे मातरम ☐ (*iv*) ॐ जय जगदीश हरे ☐

(ज) भारत की राजधानी का क्या नाम है?

(*i*) मुंबई ☐ (*ii*) चेन्नई ☐

(*iii*) नई दिल्ली ☐ (*iv*) कोलकाता ☐

(झ) हमारे देश का राष्ट्रीय फूल कौन–सा है?

(*i*) गुलाब ☐ (*ii*) कमल ☐

(*iii*) चमेली ☐ (*iv*) जूही ☐

(ञ) इनमें से किसे लौहपुरुष के नाम से जाना जाता है?

(*i*) महात्मा गांधी ☐ (*ii*) सरदार पटेल ☐

(*iii*) पंडित जवाहर लाल नेहरू ☐ (*iv*) लाला लाजपत राय ☐

(ट) भारत में स्वतंत्रता दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?

(*i*) 5 मई ☐ (*ii*) 26 जनवरी ☐

(*iii*) 15 अगस्त ☐ (*iv*) 30 जनवरी ☐

(ठ) भारत में गणतंत्र दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?

(*i*) 26 जनवरी ☐ (*ii*) 2 अक्टूबर ☐

(*iii*) 15 अगस्त ☐ (*iv*) 14 नवंबर ☐

(ड) शिक्षक दिवस कब मनाया जाता है?

(*i*) 1 नवंबर ☐ (*ii*) 2 अक्टूबर ☐

(*iii*) 5 सितंबर ☐ (*iv*) 14 नवंबर ☐

(ढ) बाल दिवस कब मनाया जाता है?

(*i*) 2 अक्टूबर ☐ (*ii*) 14 नवंबर ☐

(*iii*) 15 अगस्त ☐ (*iv*) 30 जनवरी ☐

5 सत्य का पालन

महात्मा गांधी एक महापुरुष थे। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उनका जन्म गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्टूबर, 1869 को हुआ था। उनके पिता का नाम करमचंद गांधी और माँ का नाम पुतलीबाई था।

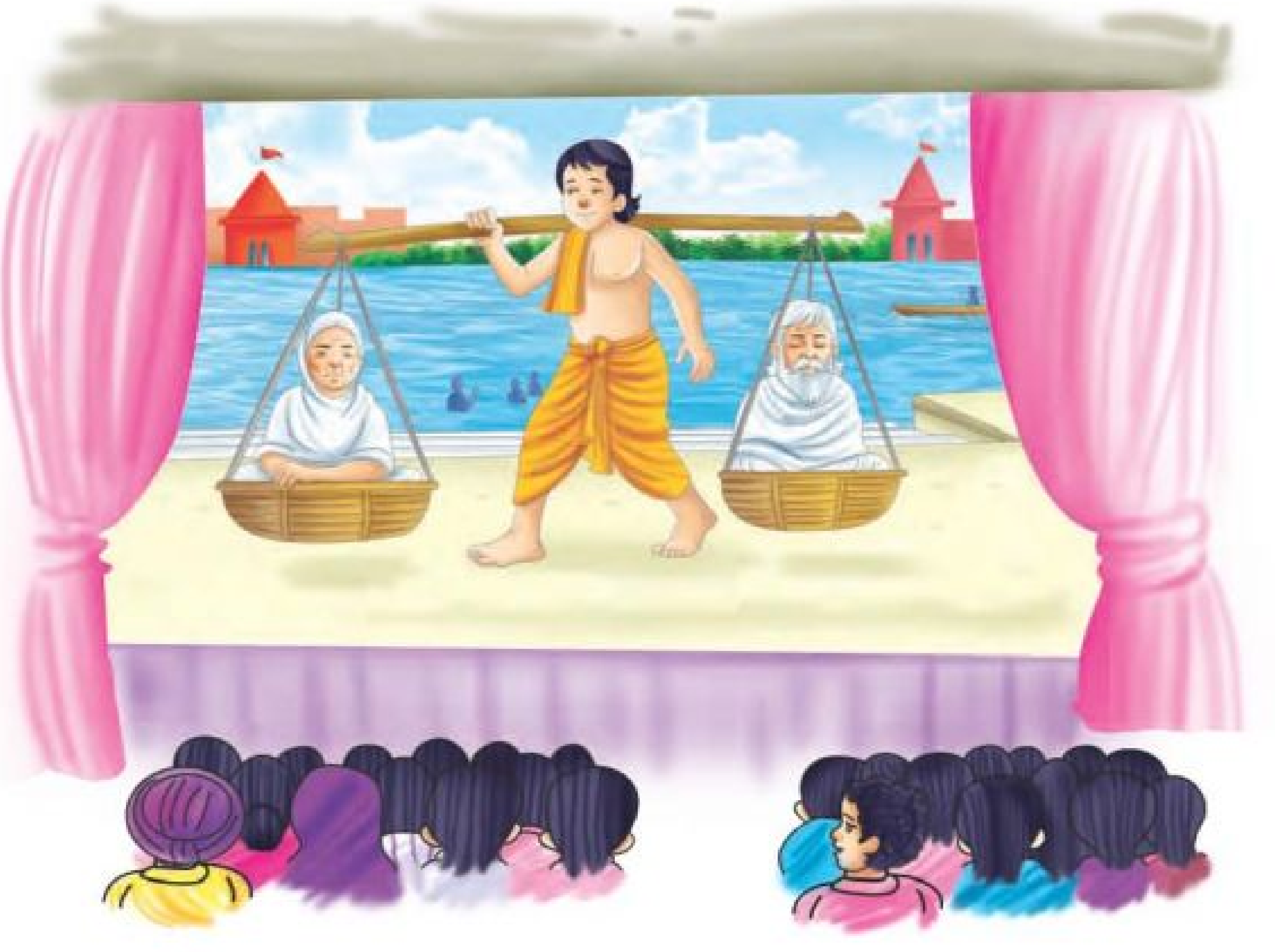

गांधी जी बचपन में सीधे-सादे बालक थे। एक बार उनके नगर में एक नाटक-मंडली आई। उसने श्रवण कुमार और राजा हरिश्चंद्र के नाटक दिखाए। बालक मोहनदास ने भी इन नाटकों को देखा। उनके मन पर नाटकों का गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने निश्चय कर लिया कि वे श्रवण कुमार की भाँति माता-पिता की सेवा करेंगे और राजा हरिश्चंद्र की तरह जीवनभर सत्य का पालन करेंगे।

एक दिन विद्यालय में निरीक्षक निरीक्षण करने आए। मोहनदास की कक्षा में उन्होंने विद्यार्थियों को लिखने के लिए अंग्रेज़ी के पाँच शब्द दिए। कक्षा के सभी

शिक्षण संकेत

- बच्चों को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करें। गांधी जी के साथ-साथ अन्य महापुरुषों के बारे में भी बच्चों को जानकारी दें।
- आज़ादी की लड़ाई में महात्मा गांधी के योगदान के बारे में बच्चों को बताएँ।

विद्यार्थियों ने पाँचों शब्दों को शुद्ध रूप में लिख दिया। केवल मोहनदास ही ऐसे विद्यार्थी थे जो 'केटल' (केतली) शब्द को शुद्ध रूप से नहीं लिख पाए।

अध्यापक ने उनकी अशुद्धि को देख लिया। उन्होंने मोहनदास को संकेत किया कि आगे वाले विद्यार्थी की कॉपी देखकर अपनी अशुद्धि को सुधार ले। गांधी जी ने अध्यापक के संकेत को समझ तो लिया, पर उन्होंने सत्य का पालन करने का निश्चय कर लिया था। इसलिए दूसरों की नकल करके अपनी गलती को सुधारना ठीक नहीं समझा।

निरीक्षक के चले जाने पर अध्यापक मोहनदास पर नाराज़ हुए। उस दिन घर लौटकर मोहनदास ने अपने किए पर बार-बार विचार किया। उनकी आत्मा ने उन्हें नकल न करने के लिए बधाई दी। उस दिन सत्य का पालन करने से उनके मन में सत्य के प्रति विश्वास बढ़ गया और उन्होंने जीवनभर सत्य का पालन किया। देश को आज़ादी दिलाकर यह महापुरुष 30 जनवरी, 1948 को सदा के लिए अमर हो गया।

शब्दार्थ

नाटक मंडली	नाटक खेलने वाला दल	प्रभाव	असर
निश्चय	इरादा	भाँति	समान, तरह
निरीक्षक	निरीक्षण करने वाला	निरीक्षण	मुआयना, जाँच
अशुद्धि	गलती	विश्वास	भरोसा

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

विद्यालय – विद्यालय विद्यार्थी – विद्यार्थी अशुद्धि – अशुद्धि

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

हरिश्चंद्र   निरीक्षण   विद्यार्थी   श्रवण

2. सोचकर बताइए–

(क) गांधी जी का पूरा नाम क्या था?

(ख) गांधी जी ने नकल क्यों नहीं की?

(ग) गांधी जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) गांधी जी बचपन में कैसे थे?

....

(ख) नाटकों को देखकर गांधी जी ने क्या निश्चय किया?

....

(ग) अध्यापक ने मोहनदास को क्या संकेत किया?

....

(घ) अध्यापक मोहनदास पर क्यों नाराज़ हुए?

....

2. नीचे दिए गए शब्दों से वाक्यों को पूरा कीजिए–

हरिश्चंद्र, मोहनदास, करमचंद गांधी, शुद्ध

(क) महात्मा गांधी के पिता का नाम .... था।

(ख) गांधी जी ने जीवनभर .... की तरह सत्य का पालन किया।

(ग) सभी विद्यार्थियों ने पाँचों शब्दों को .... रूप में लिख दिया।

(घ) निरीक्षक के चले जाने पर अध्यापक .... पर नाराज़ हुए।

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) नगर में कौन–से नाटक दिखाए गए?

(*i*) श्रवण कुमार ☐ (*ii*) राजा हरिश्चंद्र ☐ (*iii*) दोनों ☐

(ख) गांधी जी कौन–से शब्द को शुद्ध नहीं लिख पाए?

(*i*) कॉफी ☐ (*ii*) केटल ☐ (*iii*) कॉलेज ☐

भाषा ज्ञान

1. 'अ' लगाकर विलोम शब्द बनाइए–

(क) शुद्ध – अ + शुद्ध = अशुद्ध

(ख) निश्चय – अ + निश्चय = ...

(ग) विश्वास – अ + विश्वास = ...

(घ) सत्य – अ + सत्य = ...

(ङ) समान – अ + समान = ...

2. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जो पढ़ने के लिए जाते हैं – ....

(ख) जहाँ पढ़ने के लिए जाते हैं – ....

(ग) पुस्तकों का घर – ....

(घ) एक ही कक्षा में पढ़ने वाले – ....

(ङ) जो बच्चों को पढ़ाता है – ....

(च) जो साथ देता हो – ....

3. सर्वनाम शब्दों के खाने में लाल रंग भरिए–

मोहनदास		नाटक		हम	
बालक		उनका		श्रवण कुमार	
इन		माता		पिता	
सत्य		वे		राजा	
उन्होंने		जीवन		पालन	
उन्हें		अपनी		उसने	

लेख से आगे

- यदि गांधी जी नकल करके अपनी गलती सुधार लेते तो क्या होता?
- यदि आप गांधी जी की जगह होते तो क्या करते?

नन्हे हाथों से

- इस चित्र में बच्चा क्या गलत कार्य कर रहा है? ध्यान केंद्रित करते हुए घटना का वर्णन कीजिए।

कुछ करने को

- 'श्रवण कुमार' ने अपने माता–पिता की सेवा की तथा 'राजा हरिश्चंद्र' ने सत्य का पालन किया। इन दोनों की कहानियों को पढ़िए।
- नीचे दिए गए संकेतों के आधार पर महात्मा गांधी का जीवन वृत्तांत तैयार कर अपनी प्रोजेक्ट फाइल में लगाइए–

जन्म, शिक्षा, व्यवसाय, विवाह, आंदोलन, देशभक्ति

आप क्या करेंगे

- **यदि आपके पिता जी गुस्से में आपसे कुछ पूछ रहे हों और सच बोलने से आपके बड़े भाई या बहन की पिटाई संभव हो तो–**

(क) सब जानते हुए भी कुछ नहीं बताएँगे। ☐

(ख) झटपट सब बता देंगे। ☐

(ग) पिता जी का गुस्सा शांत होने पर ही सच्चाई बताएँगे। ☐

- **यदि परीक्षा देते समय आपका मित्र आपसे किसी प्रश्न का उत्तर पूछे तो–**

(क) अपने मित्र की सहायता करेंगे। ☐

(ख) अपना प्रश्न–पत्र हल करने में लगे रहेंगे। ☐

(ग) उसकी शिकायत अध्यापक से कर देंगे। ☐

6 दादा जी की वापसी

अखिल श्रीवास्तव
बनारस (वाराणसी), उत्तर प्रदेश
दिनांक : 5 जून, 20....
प्रिय शोभित

मैं अब पूर्णतः स्वस्थ हूँ। शहर से वापस गाँव आकर मेरे स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है। शोभित, महानगर से गाँव का जीवन बिलकुल अलग है। यहाँ गाँव में शांति और वातावरण में शुद्धता है जबकि शहरों में शोर और प्रदूषण है। गाँव में बैलगाड़ियाँ, ताँगें आदि चलते हैं जो प्रदूषण नहीं फैलाते। जबकि शहरों में सड़कों पर गाड़ियों की भीड़ रहती है। गाड़ियाँ धुआँ उगलती रहती हैं। जिसके कारण वातावरण दूषित होता रहता है। गाड़ियों से निकलने वाला धुआँ आँखों और फेफड़ों को नुकसान पहुँचाता है।

शहरी जीवन का एक खतरनाक पहलू और भी है। वह है– एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़। शहरों की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में प्रत्येक व्यक्ति दूसरों से आगे निकलना चाहता है। जिसके कारण सड़कों पर दौड़ती गाड़ियाँ आपस में टकरा जाती हैं और प्रत्येक वर्ष असंख्य लोग असमय काल का ग्रास बन जाते हैं।

शिक्षण संकेत

- शहरों में फैलते प्रदूषण की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।
- प्रदूषण किन–किन कारणों से फैलता है? इसे कैसे कम किया जा सकता है आदि प्रश्न पूछें।
- इसके साथ ही बच्चों को पत्र लिखने की मौलिक जानकारी दें।

तुम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना। सुबह जल्दी उठकर पार्क में सैर के लिए अवश्य जाना। सुबह की ताज़ी हवा स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। मेरी चिंता मत करना। तुम्हारे माता-पिता और चिंकी को मेरा आशीर्वाद!

तुम्हारा दादा

अखिल श्रीवास्तव

शब्दार्थ

पूर्णतः – पूरी तरह	स्वस्थ – तंदुरुस्त
होड़ – प्रतिस्पर्धा, बाजी	असंख्य – बेहिसाब, अनगिनत
काल का ग्रास बनना – मर जाना	लाभकारी – फायदेमंद

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

स्वास्थ्य प्रदूषण वातावरण आशीर्वाद

2. सोचकर बताइए–

(क) गाँव का वातावरण शुद्ध क्यों होता है?

(ख) शहरों में असंख्य लोग असमय क्यों मर जाते हैं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) शहरों में प्रदूषण कैसे फैलता है?

....

(ख) गाड़ियों का धुआँ मनुष्य को किस प्रकार प्रभावित करता है?

....

(ग) शहरों में आदमी किस होड़ में लगा रहता है?

....

(घ) 'गाँव शहरों से अच्छे हैं।' ऐसा क्यों कहा जाता है?

....

....

....

(ङ) यह पत्र किसने, किसे, कब और कहाँ से लिखा?

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) इनमें से किसके द्वारा प्रदूषण नहीं फैलता?

(*i*) रेलगाड़ी ☐ (*ii*) बैलगाड़ी ☐ (*iii*) गाड़ी ☐

(ख) गाड़ियों से क्या निकलता है?

(*i*) पानी ☐ (*ii*) धुआँ ☐ (*iii*) पेट्रोल ☐

(ग) गाड़ियों के धुएँ से किस पर बुरा प्रभाव पड़ता है?

(*i*) आँखों और फेफड़ों पर ☐ (*ii*) पेट पर ☐

(*iii*) हाथों और पैरों पर ☐

3. सही वाक्य के सामने (✓) और गलत के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) शहरों का जीवन गाँव के जीवन से बिलकुल अलग है। ☐

(ख) शहरों में सड़कों पर बैलगाड़ियों की भीड़ लगी रहती है। ☐

(ग) महानगरों में लोग शांतिपूर्वक कार्य करते हैं। ☐

(घ) शहरों में प्रत्येक व्यक्ति अपनी गाड़ी दूसरों से आगे निकालना चाहता है। ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

जीवन – .... गाँव – ....

स्वस्थ – .... पक्का – ....

ऊँचा – .... बुराई – ....

2. नीचे दिए गए शब्दों में अनुनासिक (ँ) लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए–

आख	चाद	काटा	घूट	मा
वहा	मागना	हा	जाएगे	गाव

3. गाँव में रहने वाले अपने मित्र को शहर के बारे में बताते हुए पत्र लिखिए।

पत्र एक ऐसा साधन है, जिसके द्वारा हम अपने मित्रों / रिश्तेदारों एवं परिचितों तक अपनी बात पहुँचाते हैं। पत्र कई प्रकार के होते हैं– निमंत्रण पत्र, पारिवारिक पत्र, आदि।

4. गाँव और शहर में क्या अंतर है? सोचकर लिखिए–

गाँव	शहर
वातावरण	
रहन–सहन	

पत्र से आगे

- अगर शहरों में धुएँ से प्रदूषण ऐसे ही बढ़ता रहा तो भविष्य में क्या होगा?
- आपके शहर में कौन-कौन से वाहन चलते हैं? सूची बनाइए।

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर लिखिए कि इनमें से कौन-सी वस्तुएँ प्रदूषण फैलाती हैं–

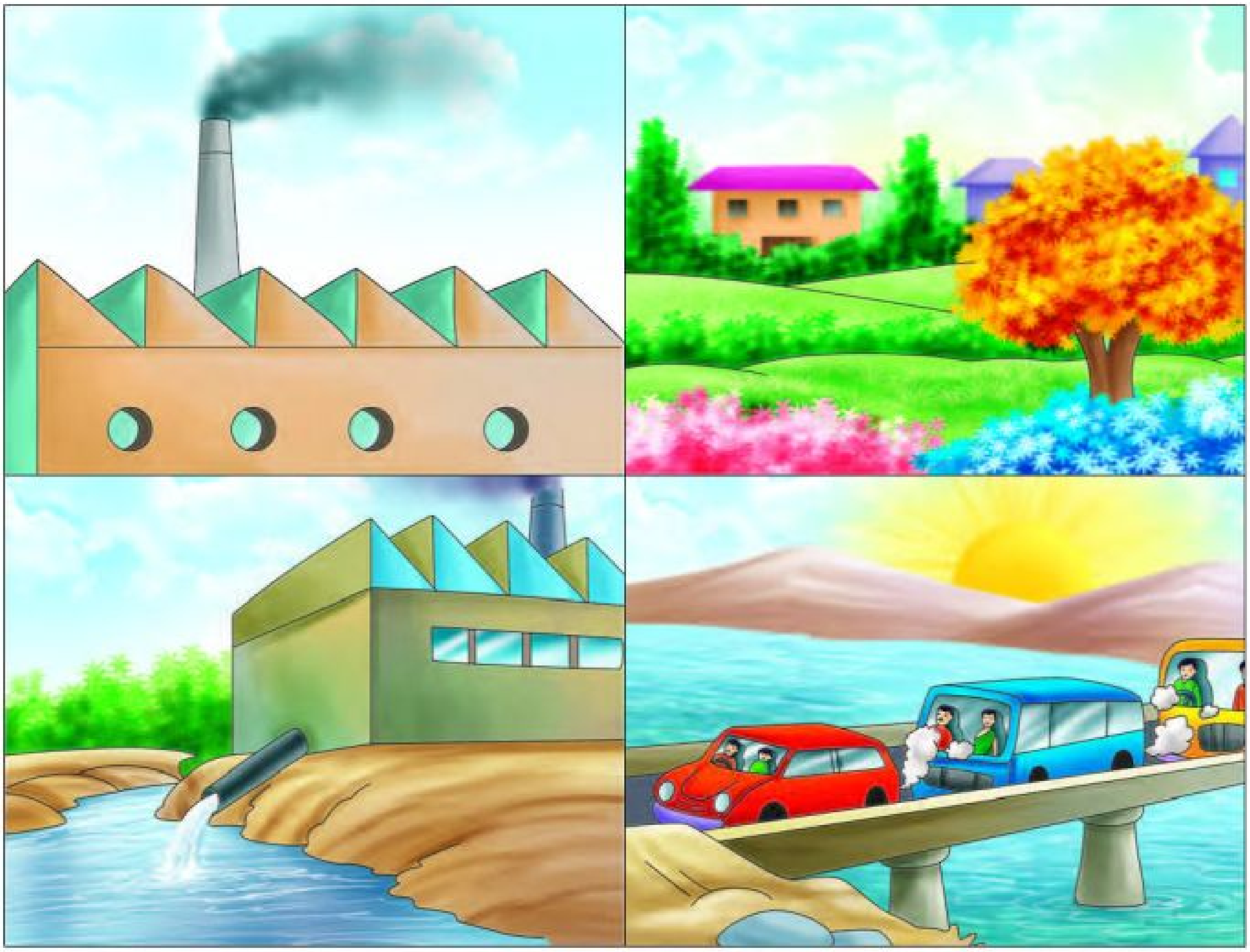

....

....

....

कुछ करने को

- शहरों में प्रतिदिन प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। बढ़ते प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है? इसके लिए रंग-बिरंगी फीतियाँ बनाकर कक्षा में लगाइए। (उदाहरण के लिए नीचे देखिए।)

पेड़ों को
कटने से
बचाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आप बस में बैठकर पिकनिक मनाने जा रहे हों और चिप्स व कुरकुरे खाने के बाद खाली रैपर आपके हाथ में हो तो–**

(क) रैपर बस में ही फेंक देंगे। ☐

(ख) बस का शीशा खोलकर रैपर बाहर फेंक देंगे। ☐

(ग) रैपर बैग में रख लेंगे। बाद में उन्हें कूड़ेदान में डाल देंगे। ☐

- **यदि आप अपने जन्मदिन पर लाउड-स्पीकर तेज़ आवाज़ में चलाकर नाच रहे हों और आपका पड़ोसी विरोध करे तो–**

(क) उसकी बात नहीं मानेंगे। ☐

(ख) लाउड-स्पीकर बंदकर देंगे। ☐

(ग) उसकी आवाज़ कम करके जन्मदिन का मज़ा लेंगे। ☐

7 डाकिया

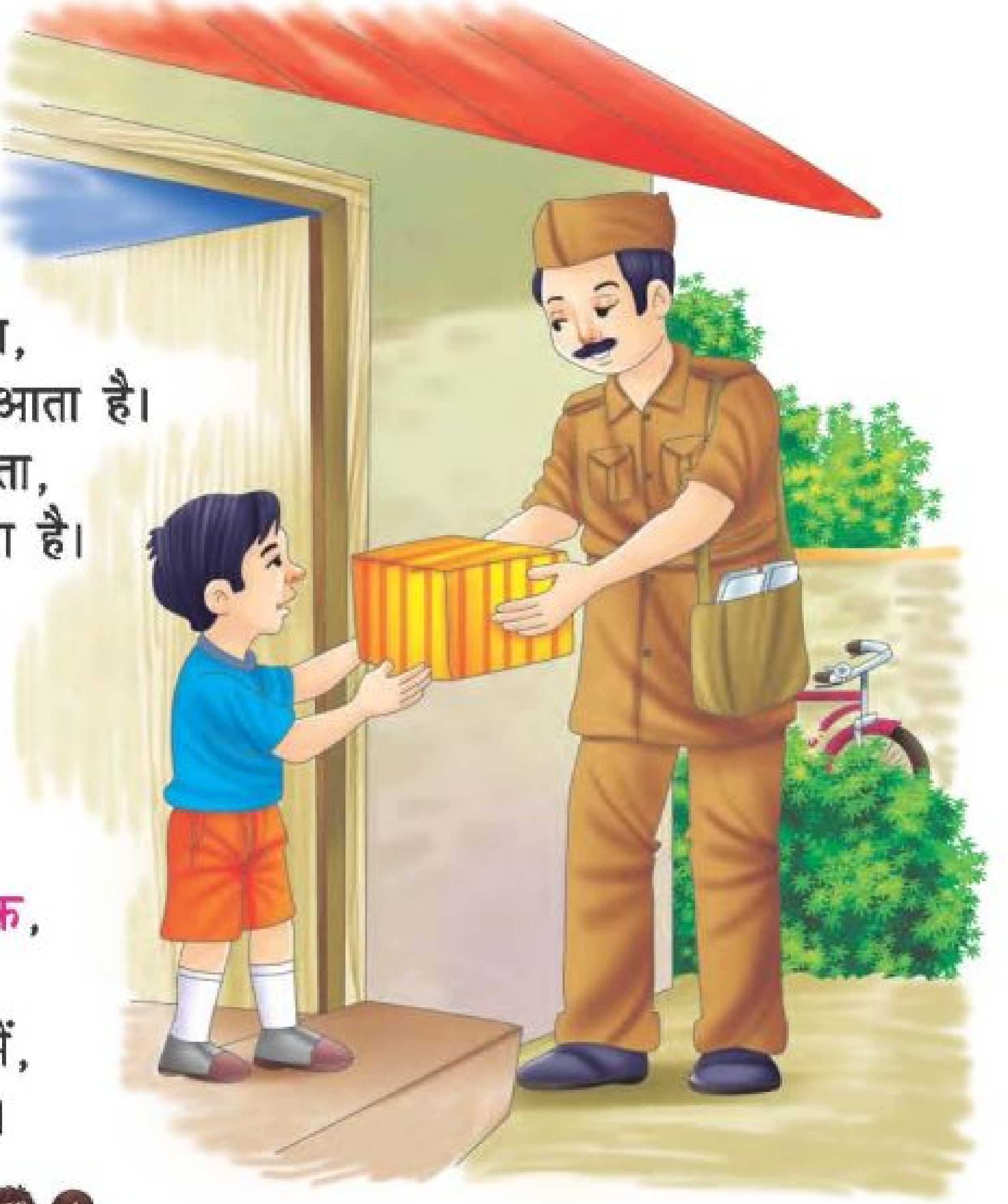

नित-नियम से रोज़ाना ही,
देखो डाकिया आता है।
चिट्ठी-पत्री, मनीऑर्डर,
और पार्सल लाता है।

खाकी वर्दी, खाकी थैला,
साइकिल पर हो सवार आता है।
ट्रिन-ट्रिन की घंटी बजाता,
झटपट डाक बाँटता जाता है।

सरदी, गरमी या हो बरसात,
नहीं कभी भी घबराता है।
सही समय पर सबका संदेशा,
घर-घर यह पहुँचाता है।

मानवता का सच्चा सेवक,
काम सभी के आता है।
सबसे नाता जोड़ो जग में,
सीख यही सिखलाता है।

शब्दार्थ

नित – प्रतिदिन
मनीऑर्डर – डाक से पैसे भेजना
सवार होकर – चढ़कर
संदेशा – समाचार
सेवक – सेवा करने वाला, नौकर
नाता – रिश्ता
सीख – शिक्षा

शिक्षण संकेत

- संचार-व्यवस्था की जानकारी देते हुए बच्चों को पत्रवाहक (डाकिए) की भूमिका समझाइए।
- डाकिया मौसम की परवाह किए बिना पत्र घर-घर पहुँचाता है। वह बिना थके अपना कार्य निस्वार्थ भाव से करता है। बच्चों को डाकिए की तरह मेहनत और लगन से कार्य करने को प्रेरित करें।
- संदेश किन-किन माध्यमों से भेजे जा सकते हैं? इसके बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें।

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

डाकिया मनीआर्डर पार्सल मानवता संदेशा

2. सोचकर बताइए–

(क) डाकिया अपने साथ क्या-क्या लाता है?

(ख) डाकिए को मानवता का सच्चा सेवक क्यों कहा गया है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) डाकिया डाक बाँटने कब आता है?

....

(ख) डाकिया डाक किस प्रकार बाँटता है?

....

(ग) डाकिए से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

....

2. नीचे दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) खाकी वर्दी, खाकी थैला,

....

(ख) सही समय पर सबका संदेशा,

....

(ग) सबसे नाता जोड़ो जग में,

....

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) मनीआर्डर और पार्सल कौन लाता है?

(*i*) डॉक्टर ☐ (*ii*) डाकिया ☐ (*iii*) सिपाही ☐

(ख) डाकिए की वर्दी किस रंग की होती है?

(*i*) सफ़ेद ☐ (*ii*) हरी ☐ (*iii*) खाकी ☐

(ग) कवि ने डाकिए को क्या माना है?

(*i*) सच्चा सेवक ☐ (*ii*) नौकर ☐ (*iii*) जोकर ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के उचित विशेषण शब्द लिखिए–

मीठा, खट्टे, खाकी, सच्चा, ठंडी, मोटा

.... वर्दी .... सेवक

.... अंगूर .... आम

.... डंडा .... आइसक्रीम

> जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें **विशेषण** कहते हैं; जैसे– **मोटे** आदमी की गोद में **प्यारी** बच्ची खेल रही है।
> यहाँ **मोटे** शब्द आदमी की और **प्यारी** शब्द बच्ची की विशेषता बता रहा है।

2. नीचे दिए शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

डाकिया .... चिट्ठी ....

थैला .... घर ....

सेवक .... सीख ....

> कुछ शब्द जोड़े में लिखे जाते हैं, इन्हें शब्द-युग्म कहते हैं। जैसे–अंदर- बाहर, पीछे-पीछे आदि।

3. कविता में आए कुछ शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए–

.... – .... – ....

.... – .... – ....

कविता से आगे

- यदि पत्र समय पर सही स्थान पर न पहुँचे तो क्या होगा?
- आजकल लोग अपने संदेश दूसरों तक किन–किन साधनों के द्‌वारा पहुँचाते हैं?

नन्हे हाथों से

- **डाकिया हमारा सहायक है। नीचे दिए कामगारों को पहचान कर उनके बारे में एक-एक वाक्य लिखिए।**

....

....

....

....

....

....

- **आपकी नानी कहाँ रहती हैं? अपनी नानी के घर का पता इस पोस्टकार्ड पर लिखिए और उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएँ भेजिए।**

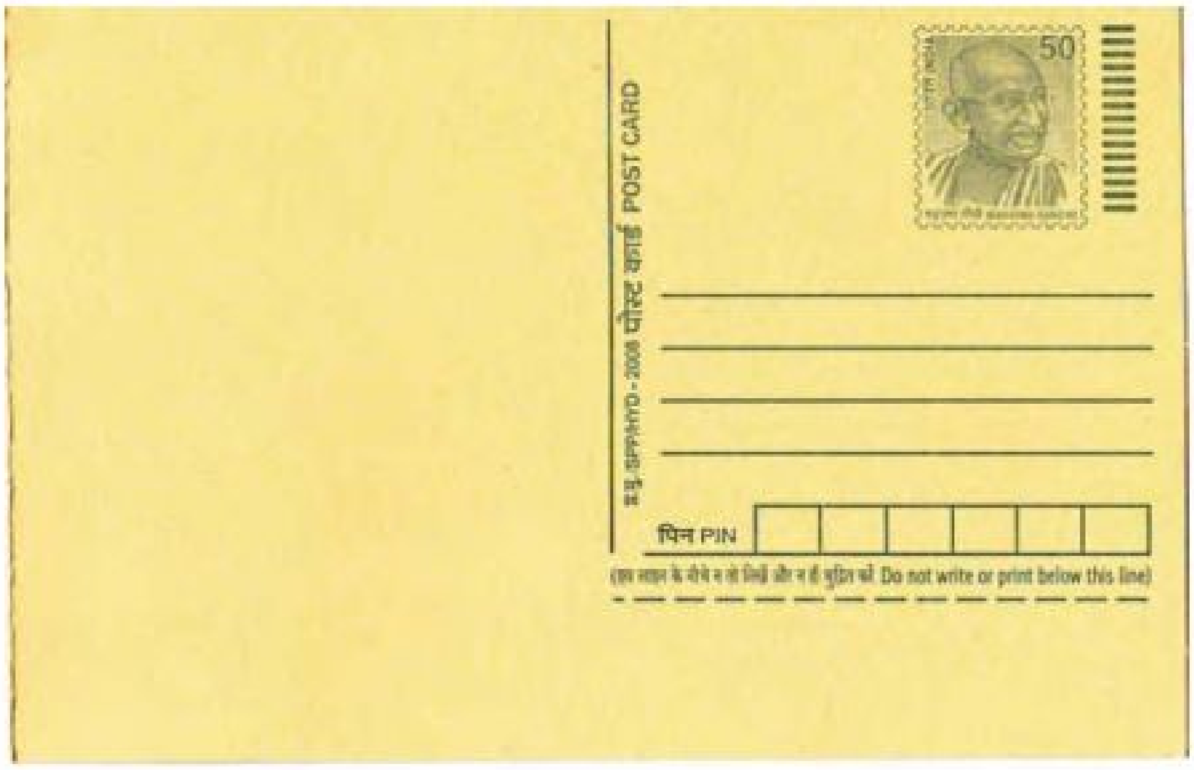

कुछ करने को

- चिट्ठियाँ किस प्रकार एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचती हैं। इस प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए और एक प्रोजेक्ट फाइल बनाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि डाकिया आपके पड़ोसी की डाक आपके घर दे जाए तो–**
  - (क) तुरंत वह डाक पड़ोसी को देकर आएँगे। ☐
  - (ख) उसे पड़ोसी के दरवाजे पर फेंक देंगे। ☐
  - (ग) उसे अपने घर में ही पड़ी रहने देंगे। ☐

- **यदि रास्ते में कोई अनजान व्यक्ति आपको कोई पार्सल दे और उसे पड़ोसी को देने के लिए कहे तो–**
  - (क) उससे पार्सल नहीं लेंगे। ☐
  - (ख) पहले पार्सल को खोलकर देखेंगे कि उसमें क्या है? ☐
  - (ग) बिना कुछ सोचे–समझे उसे लेकर पड़ोसी को दे देंगे। ☐

8 सुनहरे मोर

बहुत समय पहले की बात है, तब राजा कृष्णदेव राय विजयनगर के राजा थे। एक दिन एक दरबारी ने उनसे इनाम पाने की योजना बनाई। उसने एक कुशल चित्रकार से एक मोर पर सुनहरा रंग करवाया। चित्रकार ने मोर को इस प्रकार से रंग दिया कि कोई भी उसे नकली नहीं बता सकता था। दरबारी ने उस मोर को राजा के समक्ष प्रस्तुत किया और कहा, "महाराज! यह जंगलों में पाया जाने वाला सबसे दुर्लभ प्रजाति का मोर है। मैंने इसे पाने के लिए तीस हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ खर्च की हैं ताकि इस दुर्लभ पक्षी को आप अपने पास रख सकें। कृपया मेरी ओर से यह भेंट स्वीकार कीजिए।"

यह सुनकर राजा को बहुत आश्चर्य हुआ और वे मोर को बड़े ध्यान से देखने लगे। वे दुविधा में थे। लेकिन मोर का रंग इतना असली लग रहा था कि उन्हें यह मानना ही

शिक्षण संकेत
- झूठ, छल-कपट आदि बुराइयों से बचने की शिक्षा देते हुए बच्चों से पाठ का वाचन करवाएँ।
- बच्चों को तेनालीराम व बीरबल की कहानियाँ पढ़ने को प्रेरित करें।

पड़ा कि ऐसा मोर मिलना वास्तव में ही दुर्लभ है। उन्होंने उस दरबारी को तीस हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ दे दीं। तभी तेनालीराम वहाँ आ गए और उन्हें यह समझने में देर नहीं लगी कि मोर का रंग नकली है। उन्होंने उस चित्रकार को ढूँढ़ निकाला जिसने मोर को रंगा था। तेनालीराम ने उससे चार मोरों पर रंग करवा लिया।

अगले दिन तेनालीराम, चित्रकार और चारों मोरों के साथ राजा के दरबार में पहुँचे और कहा, "महाराज! कल आपने एक सुनहरे रंग का मोर लिया, आज मैं आपको उससे भी अच्छी प्रजाति के चार मोर देता हूँ। जहाँ आपने एक मोर की कीमत तीस हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ दीं, वहीं आप मुझे चार मोरों की कीमत नब्बे हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ दे दीजिए।"

यह सुनकर राजा को बहुत आश्चर्य हुआ। फिर भी उन्हें मानना ही पड़ा और आदेश दिया–"तेनालीराम को नब्बे हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ दे दी जाएँ।" यह सुनकर तेनालीराम ने कहा, "महाराज! इन मुद्राओं का असली हकदार तो यह चित्रकार है जिसने इन पर रंग किया है।" राजा आश्चर्य से बोले, "क्या? क्या इनके रंग असली नहीं हैं?" तेनालीराम ने कहा, "नहीं महाराज! आप नज़दीक से इनकी खुशबू से पता लगा सकते हैं कि इन पर रंग किया गया है।"

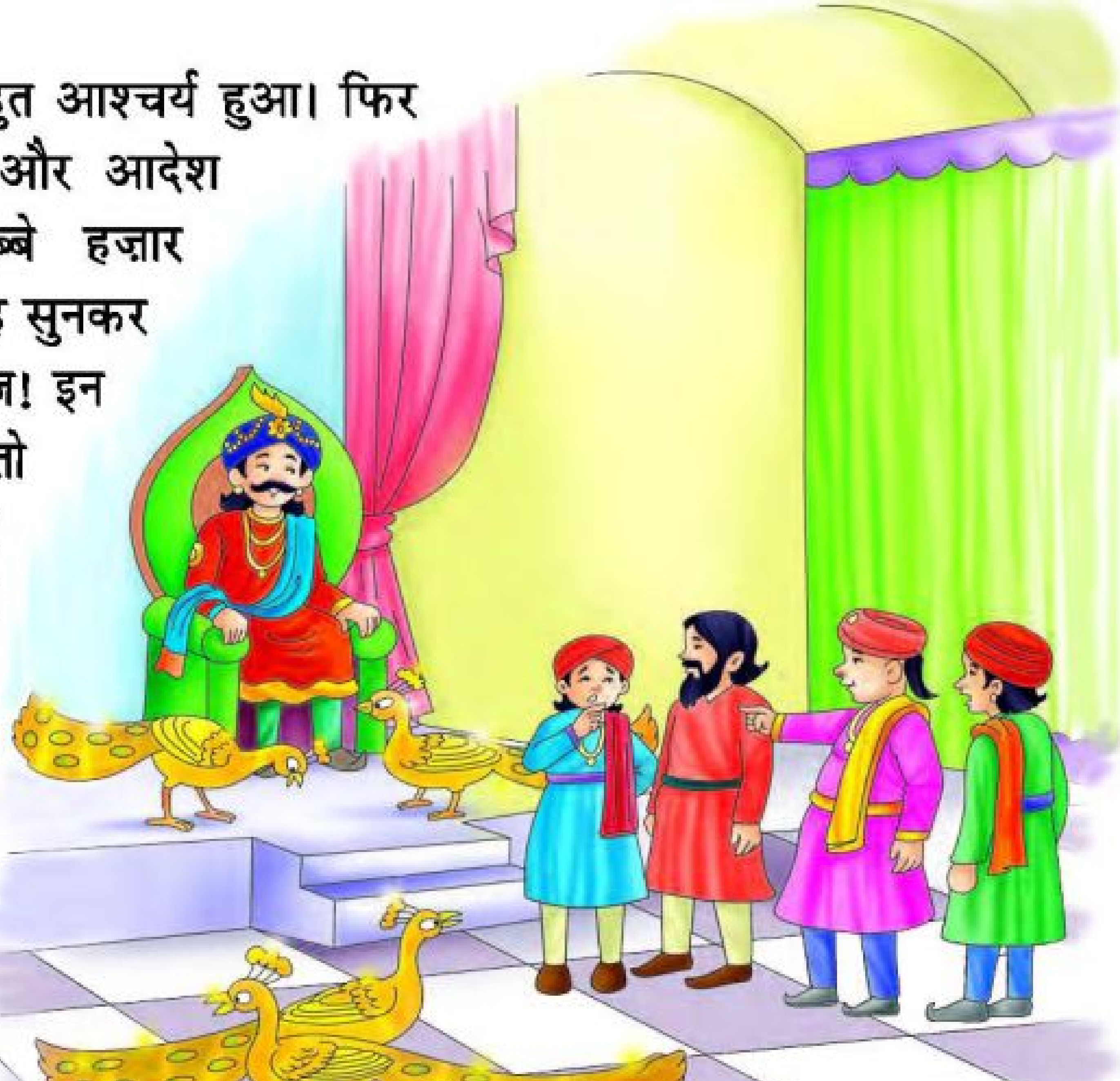

राजा ने चित्रकार को इनाम दिया और उस लालची दरबारी से स्वर्ण मुद्राएँ वापस लेकर उसे दंड दिया।

शब्दार्थ

चित्रकार	– चित्र बनाने वाला	दुर्लभ	– मुश्किल से प्राप्त होने वाला
प्रजाति	– नस्ल	स्वर्ण	– सोना
मुद्रा	– मोहर, रुपया	भेंट	– उपहार
स्वीकार करना	– ग्रहण करना	दुविधा	– असमंजस

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

कृष्णदेव चित्रकार मुद्राएँ दुर्लभ आश्चर्य

2. सोचकर बताइए–

(क) दरबारी ने राजा से कितनी स्वर्ण मुद्राएँ प्राप्त की थीं?

(ख) राजा मोरों की वास्तविकता क्यों नहीं जान पाए?

(ग) तेनालीराम को कैसे पता चला कि मोरों का रंग असली नहीं है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) दरबारी ने राजा से इनाम पाने के लिए क्या किया?

....

(ख) दरबारी की चालाकी देखकर तेनालीराम ने क्या किया?

....

....

(ग) मुद्राओं का असली हकदार कौन था और क्यों?

....

(घ) सुनहरे मोरों की वास्तविकता जानकर राजा ने क्या किया?

....

....

2. सही वाक्य पर (✓) और गलत वाक्य पर (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) राजा कृष्णदेव राय विजयनगर के राजा थे। ☐

(ख) मोर का सुनहरा रंग असली था। ☐

(ग) तेनालीराम दरबारी की चालाकी को समझ गया। ☐

(घ) तेनालीराम ने राजा से चार मोरों की कीमत तीस हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ माँगी। ☐

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) राजा कृष्णदेव कहाँ के राजा थे?

(*i*) विजयनगर ☐ (*ii*) कविनगर ☐ (*iii*) राजनगर ☐

(ख) दरबारी ने सुनहरे मोर के लिए कितनी स्वर्ण मुद्राएँ माँगी?

(*i*) बीस हज़ार ☐ (*ii*) तीस हज़ार ☐ (*iii*) चालीस हज़ार ☐

(ग) मोर पर कैसा रंग किया गया था?

(*i*) नीला ☐ (*ii*) लाल ☐ (*iii*) सुनहरा ☐

भाषा ज्ञान

यात्री बस बैठे थे। यह वाक्य कुछ अटपटा लग रहा है। अब इस वाक्य को इस प्रकार पढ़िए–
यात्री बस **में** बैठे थे। इस वाक्य में प्रयुक्त **'में'** परसर्ग कहलाता है।

1. निम्न वाक्यों में परसर्ग लगाकर लिखिए–

(क) दरबारी मोर रंग करवाया। ....

(ख) राजा चित्रकार इनाम दिया। ....

(ग) आसमान एक उड़नतश्तरी उतरी। ....

(घ) विपुल काम करने मना कर दिया। ....

2. चित्र देखकर क्रिया शब्द लिखिए–

भारत पुस्तक .... घोड़ा .... पक्षी ....

किसान हल .... मैं कल आगरा .... राधा ने गीत ....

3. नीचे दिए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक पेड़ पर बया का घोंसला था। बया अपने बच्चों के साथ उस घोंसले में रहती थी। वहाँ अक्सर एक बंदर आकर कूद–फाँदकर चला जाता था। एक दिन बहुत तेज वर्षा होने लगी। बंदर वर्षा से बचने के लिए पेड़ की उस डाल पर आया जहाँ बया का घोंसला था। बया उसे देखकर स्वयं को रोक न सकी और बोली, "बंदर भैया! अगर अपना घर बना लेते तो आज भीगने से तो बच जाते।" यह सुनते ही बंदर को क्रोध आ गया। उसने बया का घोंसला तोड़कर नीचे फेंक दिया। बेचारी बया अपने तीन बच्चों के साथ बारिश में भीगने लगी।

(क) पेड़ पर किसका घोंसला था?

(*i*) बंदर का ☐ (*ii*) बया का ☐ (*iii*) कबूतर का ☐

(ख) बया कहाँ रहती थी?

(*i*) पेड़ की खोखल में ☐ (*ii*) घर में ☐ (*iii*) घोंसले में ☐

(ग) बया का घोंसला किसने तोड़ा?

(*i*) वर्षा ने ☐ (*ii*) बंदर ने ☐ (*iii*) बया ने ☐

(घ) बया के कितने बच्चे थे?

(*i*) एक ☐ (*ii*) दो ☐ (*iii*) तीन ☐

(ङ) इस अनुच्छेद से क्या शिक्षा मिलती है?

(*i*) कभी किसी को नहीं समझाना चाहिए। ☐

(*ii*) मूर्ख को उपदेश नहीं देना चाहिए। ☐

(*iii*) समझदार को उपदेश नहीं देना चाहिए। ☐

कहानी से आगे

- यदि तेनालीराम सही समय पर दरबार न पहुँचते तो क्या होता?
- आपने अपने माता-पिता और पुस्तकों से बहुत-से राजाओं की कहानियाँ सुनी और पढ़ी होंगी। याद करके उन राजाओं और उनके राज्यों के नाम बताइए।

नन्हे हाथों से

- **कौन किसका शत्रु है? चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–**

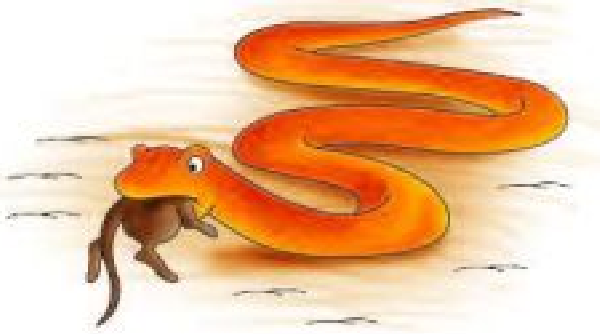

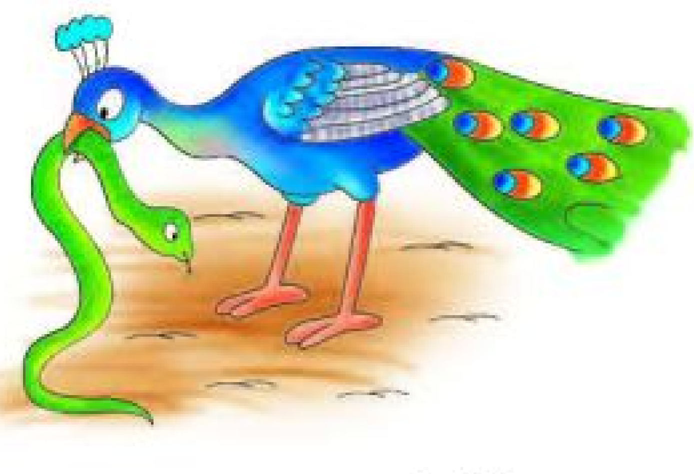

कुछ करने को

- अपनी अध्यापिका से तेनालीराम व बीरबल की अन्य कहानियाँ सुनिए व सुनाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपको कोई साँप किसी के घर में घुसता दिखाई दे तो–**

(क) पत्थर उठाकर उसे मारेंगे। ☐

(ख) तुरंत आसपास खड़े किसी व्यक्ति को साँप के बारे में बताएँगे। ☐

(ग) चुपचाप वहाँ से खिसक जाएँगे। ☐

- **यदि सोते समय आपके कमरे में चूहा घुस आए तो–**

(क) शोर मचाकर सबको जगा देंगे। ☐

(ख) कमरे में चूहेदानी रखकर आराम से सो जाएँगे। ☐

(ग) डर के मारे सारी रात जागते रहेंगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) घोड़े के रहने के स्थान को क्या कहते हैं?

(i) अस्तबल ☐ (ii) घर ☐
(iii) केनल ☐ (iv) झोंपड़ी ☐

(ख) मधुमक्खियों के रहने के स्थान को क्या कहते हैं?

(i) बिल ☐ (ii) घोंसला ☐
(iii) छत्ता ☐ (iv) गुफा ☐

(ग) हमारे सौर मंडल में कितने ग्रह हैं?

(i) चार ☐ (ii) पाँच ☐
(iii) आठ ☐ (iv) दस ☐

(घ) पृथ्वी अपनी परिक्रमा कितने दिन में पूरा करती है?

(i) 350 ☐ (ii) $365\frac{1}{4}$ दिन ☐
(iii) 360 दिन ☐ (iv) 280 दिन ☐

(ङ.) चंद्रमा किसके प्रकाश से चमकता है?

(i) पृथ्वी के ☐ (ii) सूर्य के ☐
(iii) स्वयं के ☐ (iv) मंगल के ☐

(च) कौन-सा ग्रह सूर्य के सबसे पास है?

(i) पृथ्वी ☐ (ii) बुध ☐
(iii) मंगल ☐ (iv) बृहस्पति ☐

(छ) जापान की राजधानी का नाम क्या है?

(i) ढाका ☐ (ii) सिंगापुर ☐
(iii) टोकियो ☐ (iv) बीजिंग ☐

(ज) चीन की राजधानी कहाँ है?

(i) माले ☐ (ii) बीजिंग ☐

(iii) बर्जिल ☐ (iv) ढाका ☐

(झ) इस्लामाबाद किसकी राजधानी है?

(i) बांग्लादेश की ☐ (ii) इराक की ☐

(iii) पाकिस्तान की ☐ (iv) अफगानिस्तान की ☐

(ञ) नेपाल की राजधानी कहाँ है?

(i) काठमांडू ☐ (ii) तेहरान ☐

(iii) रोम ☐ (iv) बर्लिन ☐

(ट) भगवत गीता का उपदेश किसने दिया था?

(i) वेदव्यास ने ☐ (ii) श्री कृष्ण ने ☐

(iii) भीम ने ☐ (iv) अर्जुन ने ☐

(ठ) इनमें से रामचरितमानस के रचयिता कौन-से हैं?

(i) वेदव्यास ☐ (ii) वाल्मीकि ☐

(iii) तुलसीदास ☐ (iv) कबीरदास ☐

(ड) इनमें से डिस्कवरी ऑफ इंडिया के लेखक कौन-से हैं?

(i) महात्मा गांधी ☐ (ii) जवाहरलाल नेहरू ☐

(iii) इंदिरा गांधी ☐ (iv) कालीदास ☐

(ढ) इनमें से गीतांजलि के लेखक कौन है?

(i) प्रेमचंद ☐ (ii) प्रेमचंद ☐

(iii) रवींद्रनाथ टैगोर ☐ (iv) कालीदास ☐

9 पिज़्ज़ा

(कक्षा में बच्चे व अध्यापिका वार्तालाप करते हुए।)

अध्यापिका : आज आपकी रुचिकर खाद्य वस्तुओं की बात करते हैं। चॉकलेट, टॉफी और आइसक्रीम तो सभी बच्चों ने खाई होंगी लेकिन पिज़्ज़ा कितने बच्चों ने खाया है? *(सभी बच्चे हाथ ऊपर कर लेते हैं।)*

अध्यापिका : अरे वाह! सारे बच्चे पिज़्ज़ा खाना पसंद करते हैं? अच्छा बताओ, पिज़्ज़ा सबसे पहले किस देश में बना था?

बच्चे : नहीं मालूम।

अध्यापिका : मैं बताती हूँ। पिज़्ज़ा की उत्पत्ति इटली में हुई थी लेकिन जहाँ पिज़्ज़ा बनता और बिकता है, उसे क्या कहते हैं?

राघवन : पिज़्ज़ा हट।

शिक्षण संकेत

- सभी बच्चों को बोलने का अवसर देते हुए कक्षा में पाठ पढ़वाएँ एवं बच्चों की मनपसंद वस्तुओं के बारे में भी पूछें।
- बच्चों को पिज्ज़ा की जानकारी देते हुए 'फास्ट फूड' से होने वाले नुकसान के बारे में भी अवश्य बताएँ।

अध्यापिका : बहुत बढ़िया! जानते हो, जब ओवन नहीं थे तो पिज़्ज़ा कैसे तैयार किया जाता था? *(सब बच्चे चुपचाप अध्यापिका का मुँह ताकते हुए।)*

अध्यापिका : विश्व का पहला पिज़्ज़ा हट 1830 में पोर्ट एल्वा में खुला था। उस समय जहाँ पिज़्ज़ा पकाया जाता था, उस स्थान के किनारों को स्थानीय ज्वालामुखी के लावा से भर दिया जाता था। लावे की तपिश से पिज़्ज़ा पकते थे। अमेरिका में पहला पिज़्ज़ा हट 1905 में खोला गया। इसे खोलने वाले थे– गेन्नैरो लोंबार्डी। अमेरिकी डेरी एसोसिएशन के सर्वे के अनुसार पिज़्ज़ा अमेरिका का चौथा सबसे अधिक पसंद किया जाने वाला खाद्य पदार्थ है। वहाँ चीज़, आइसक्रीम व चॉकलेट को बहुत पसंद किया जाता है।

शबनम : अध्यापिका जी, पिज़्ज़ा इतना लज़ीज़ कैसे बनता है?

अध्यापिका : वैसे तो प्रत्येक पिज़्ज़ा हट में ग्राहकों की मनपसंद टॉपिंग को डालकर पिज़्ज़ा तैयार किया जाता है। परंतु इसमें मुख्य वस्तुएँ होती हैं– टमाटर की चटनी, चीज़ और टॉपिंग।

नेहा : पिज़्ज़ा में डलने वाली मौजेरेला चीज़ भारतीय भैंसों के दूध से बनती है। यह मेरे पिता जी ने बताया था।

अध्यापिका : हाँ! बिलकुल सही। उन्होंने ठीक ही कहा था।

शकील : विश्व का सबसे बड़ा पिज़्ज़ा दक्षिण अफ्रीका के जोहंसबर्ग में बनाया

गया था। गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी इसका नाम दर्ज है।

अध्यापिका : हाँ, इस पिज़्ज़ा की गोलाई 37.4 मीटर थी। इसमें 500 किलो आटा, 800 किलो चीज़ और 900 किलो टोमेटो प्यूरी डालकर इसे 8 दिसंबर, 1990 को बनाया गया था।

अंकिता : मेरी आंटी तो घर में ही पिज़्ज़ा बना लेती हैं। उनका पिज़्ज़ा बड़ा स्वादिष्ट होता है।

अध्यापिका : अवश्य, अब तो घर-घर में ओवन होने से पिज़्ज़ा घर में ही तैयार किया जा सकता है। अंकिता, कल अपनी आंटी से पिज़्ज़ा बनाने की विधि लिखवाकर लाना।

आर्यन : आंटी से पिज़्ज़ा बनवाकर भी ले आना। *(सब हँसते हैं।)*

(अगले दिन कक्षा में सभी विधि जानने को उत्सुक थे।)

अध्यापिका : अंकिता, क्या तुमने आंटी से पिज़्ज़ा बनाने की विधि लिखवाई?

अंकिता : यह लीजिए अध्यापिका, उन्होंने विधि लिखकर दे दी है।

अध्यापिका : ओह! यह तो बहुत लंबी प्रक्रिया है।

राघवन : मैं तो इस विधि को लिखकर ले जाऊँगा और माता जी से आज ही पिज़्ज़ा बनवाकर खाऊँगा।

सभी बच्चे : *(हँसते हुए)* हमारे लिए भी लेते आना।

शब्दार्थ

रुचिकार	– मनपसंद	उत्पत्ति	– जन्म, उद्गम
लावा	– ज्वालामुखी पर्वत से निकलने वाला तरल पदार्थ	एसोसिएशन	– संगठन
दर्ज	– लिखा हुआ	स्वादिष्ट	– ज़ायकेदार

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

चॉकलेट आइसक्रीम पिज़्ज़ा हट ज्वालामुखी जोहंसबर्ग

2. सोचकर बताइए–

(क) जब ओवन नहीं थे तब पिज़्ज़ा कैसे तैयार किया जाता था?

(ख) गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के पिज़्ज़ा का नाम क्यों दर्ज किया गया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पिज़्ज़ा की उत्पत्ति कहाँ हुई थी?

....

(ख) पिज़्ज़ा में मुख्यतः कौन-सी वस्तुएँ डाली जाती हैं?

....

(ग) मौजेरेला चीज़ किससे बनाई जाती है?

....

2. नीचे दिए कॉलमों का उचित मिलान कीजिए–

(क)	(ख)
ओवन	पिज़्ज़ा हट में
अमेरिका का चौथा रुचिकर खाद्य पदार्थ	गेन्नैरो लोंबार्डी
अमेरिका में पहला पिज़्ज़ा हट खोलने वाला	जिसमें पिज़्ज़ा तैयार किया जाता है।
पिज़्ज़ा बनाया और बेचा जाता है।	पिज़्ज़ा

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) पिज़्ज़ा की उत्पत्ति कहाँ हुई थी?

(*i*) इटली में ☐ (*ii*) जापान में ☐ (*iii*) चीन में ☐

(ख) अमेरिका में पहला पिज़्ज़ा हट कब खोला गया?

(*i*) 1900 में ☐ (*ii*) 1904 में ☐ (*iii*) 1905 में ☐

(ग) विश्व का सबसे बड़ा पिज़्ज़ा कहाँ बनाया गया था?

(*i*) पेरिस में ☐ (*ii*) स्वीडन में ☐ (*iii*) जोहंसबर्ग में ☐

(घ) सबसे बड़ा पिज़्ज़ा कब बनाया गया था?

(*i*) 1 जनवरी, 1909 को ☐ (*ii*) 8 दिसंबर, 1990 को ☐

(*iii*) 1 दिसंबर, 1980 को ☐

4. किसने कहा–

(क) अध्यापिका जी, पिज़्ज़ा इतना लज़ीज़ कैसे बनता है? ....

(ख) हाँ! बिलकुल सही। उन्होंने ठीक ही कहा था। ....

(ग) मेरी आंटी तो घर में ही पिज़्ज़ा बना लेती हैं। ....

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों पर ◯ लगाइए–

(क) वहाँ चीज़, आइसक्रीम व चॉकलेट को काफी पसंद किया जाता है।

(ख) गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाड्‌र्स में भी इसका नाम दर्ज है।

(ग) मेरी आंटी तो घर में ही पिज़्ज़ा बना लेती हैं।

2. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

ऊपर – .... पहला – .... अधिक – ....

खाद्‌य – .... पसंद – .... सही – ....

3. नीचे दिए शब्दों को अलग करके लिखिए–

आइसक्रीम = आइस + क्रीम ज्वालामुखी = ... + ...

मनपसंद = ... + ... रसोईघर = ... + ...

पानदान = ... + ... रसभरी = ... + ...

एकांकी से आगे

- क्या घर में ओवन होने से हर कोई पिज़्ज़ा तैयार कर सकता है?
- यदि अंकिता की आंटी पिज़्ज़ा बनाने की विधि न बताती तो क्या बच्चे इसे जान पाते?

नन्हे हाथों से

- वर्ग-पहेली से खाने की वस्तुओं के नाम ढूँढ़कर लिखिए–

आ	इ	स	क्री	म
भ	ड	मो	छो	डो
ठू	ली	सा	ले	सां
रे	क	चौ	ड़ी	भ
पू	री	ब	र्ग	र

....

....

....

....

....

- सब्ज़ी को तोलकर खरीदा जाता है। इन वस्तुओं को कैसे खरीदते हैं–

आम – .... केले – गिनकर (दर्जन में) व तोलकर

आटा – .... चीनी – .... कपड़ा – ....

पेंसिल – .... टॉफी – .... दाल – ....

कमीज़– ....

- नीचे दिए गए संवाद को पूरा कीजिए–

रानी – अरे वाह! आइसक्रीम वाला आ गया। चलो, आइसक्रीम खाएँ।

रेखा – नहीं, तुम खा लो। मुझे नहीं खानी।

रानी – तुम और आइसक्रीम न खाओ? अरे बाबा! यह चमत्कार कैसे हो गया?

रेखा – ....

रानी – ....

रेखा – ....

रानी – ....

कुछ करने को

- खाने-पीने से संबंधित अच्छी आदतों का एक चार्ट तैयार कीजिए। उसे कक्षा में लगाइए; जैसे– खाना खाने से पहले हाथ धोने चाहिए, खाना चबा-चबाकर खाना चाहिए आदि।

आप क्या करेंगे

- **कक्षा में अध्यापक या अध्यापिका के आने पर–**

  (क) बैठे रहेंगे और चुपचाप संबंधित विषय की पुस्तक निकालेंगे। ☐

  (ख) मुँह पर अँगुली रखकर बैठ जाएँगे। ☐

  (ग) खड़े होकर उनका अभिवादन करेंगे। ☐

- **यदि घर में आई आपकी मनपसंद वस्तु आपको खाने को न मिले तो–**

  (क) रोने लगेंगे। ☐

  (ख) किसी से बात नहीं करेंगे। ☐

  (ग) बाद में मिल जाएगी, यह सोचकर अपने मन को मना लेंगे। ☐

10 एडवेंचर आइलैंड

मेरे चाचा जी दिल्ली के शाहदरा क्षेत्र में रहते हैं। एक बार मैं अपने चचेरे भाई चिंटू के जन्मदिन के **अवसर** पर परिवार सहित दिल्ली आया। चाचा जी ने हमें एडवेंचर आइलैंड घुमाने का कार्यक्रम बनाया। मैंने चिंटू से एडवेंचर आइलैंड के बारे में सुना था। परंतु मुझे वहाँ जाने का अवसर इतनी जल्दी मिल जाएगा, सोचा न था।

चाचा जी हमें शाहदरा मेट्रो स्टेशन लेकर गए। वहाँ हम दिल्ली की शान की सवारी अर्थात मेट्रो ट्रेन में सवार हुए। ज़मीन से कई फीट ऊपर दौड़ती ट्रेन में बैठकर हम सभी **प्रफुल्लित** थे। दौड़ती ट्रेन से भारत का दिल कही जाने वाली दिल्ली के दर्शन करना हमारे लिए एक **रोमांचक** अनुभव था। मैं पहली बार मेट्रो ट्रेन में बैठा था इसलिए कुछ अधिक उत्साहित था। हम रिठाला मेट्रो स्टेशन पर उतरे। वहाँ से एडवेंचर आइलैंड के लिए चाचा जी ने एक टैक्सी ली।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को घूमने–फिरने की जगहों के बारे में बताएँ।
- बच्चों में देखकर सीखने की क्षमता होती है। बच्चों को पिकनिक पर लेकर जाएँ। वहाँ से जुड़ी जानकारी दें। फिर कक्षा में पूछें कि बच्चों ने वहाँ क्या–क्या देखा?

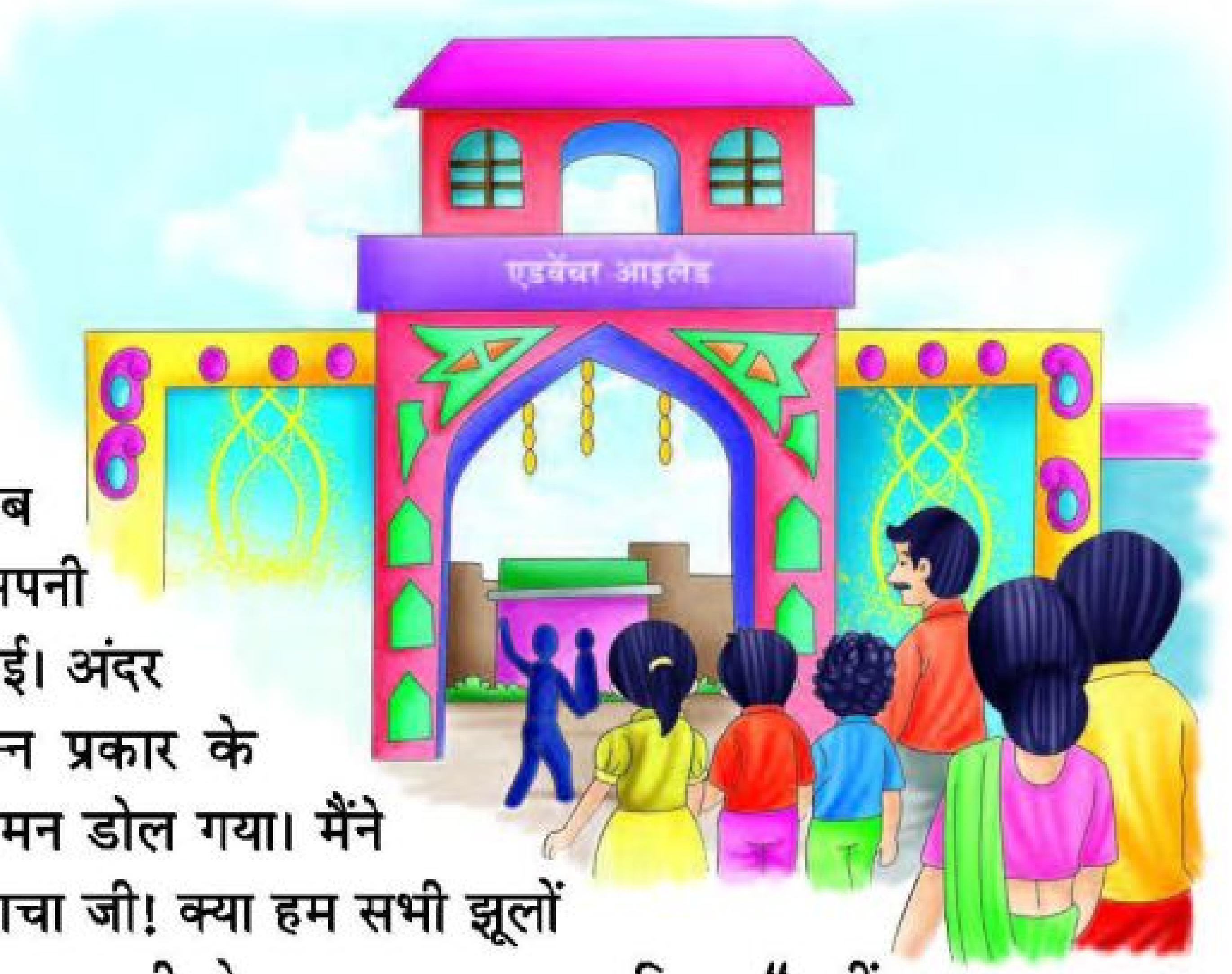

एडवेंचर आइलैंड के प्रवेश द्वार को देखकर मुझे लगा कि मैं परियों के देश में प्रवेश कर रहा हूँ। चाचा जी ने अंदर जाने के लिए टिकटें लीं। तब तक मेरी उत्सुकता अपनी चरम सीमा पर पहुँच गई। अंदर प्रवेश करते ही विभिन्न प्रकार के झूलों को देखकर मेरा मन डोल गया। मैंने उत्सुकतावश पूछा, "चाचा जी! क्या हम सभी झूलों पर झूल सकते हैं?" चाचा जी ने मुसकराकर उत्तर दिया, "नहीं सचिन, तुम अभी बच्चे हो। सब पर नहीं झूल सकते क्योंकि यहाँ कई झूले बहुत खतरनाक हैं। इन पर बच्चों को नहीं बैठने दिया जाता।" फिर चाचा जी ने बताया, "यहाँ छब्बीस प्रकार के झूले हैं; जैसे– साइक्लोन, वाइल्ड व्हील, स्काइ राइडर्स, स्पेस जंप आदि। लेकिन यहाँ के प्रसिद्ध झूले– जेड फोर्स, साइड विंडर और साइक्लोन हैं।" हमने कई झूलों का आनंद लिया।

चाचा जी ने बताया कि एडवेंचर आइलैंड रोहिणी में बासठ एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह दिल्ली का पहला थीम पार्क है जिसे टोरंटो बेस बनाया गया है। यह लोगों के लिए 14 नवंबर, 2006 को पहली बार खोला गया था। इसके अधिकतर झूले यूरोप से आयात किए गए हैं।

फिर चाचा जी हमें 'वाटर पार्क' की ओर लेकर गए। वहाँ हमने 'स्प्लैश डॅन्क', 'फ्लोट बोट' आदि का मज़ा लिया। 'रॉकिंग टॅग' और 'डर्बी डेविल्स' में तो सभी बच्चे चीख-चिल्ला रहे थे।

घूमते-घूमते शाम के तीन बज गए थे। हम सभी 'मेट्रो वॉक' मॉल में गए। वहाँ खाने-पीने की तरह-तरह की दुकानें, क्या देशी-क्या विदेशी सभी थीं। हमने वहाँ भरपेट खाना खाया। खाना खाने के बाद हमने 'नरुला' में बैठकर आइसक्रीम खाई। हम सभी थक चुके थे लेकिन तभी चाची जी ने कहा, "जब यहाँ आए ही हैं तो इन्हें जेपनीज़ पार्क भी दिखा दीजिए।" चाचा जी को यह सुझाव अच्छा लगा। उन्होंने टैक्सी वाले को जेपनीज़ पार्क चलने को कहा। जेपनीज़ पार्क को स्वर्ण जयंती पार्क भी कहते हैं।

जेपनीज़ पार्क पहुँचकर हमारी थकान न जाने कहाँ गायब हो गई। प्रकृति से जुड़ा यह पार्क किसी शाही पार्क का आभास कराता है। वहाँ हम घंटों तक घूमते रहे। शाम के सात बजे चाचा जी ने घर चलने के लिए कहा। मन तो वहाँ से आने को नहीं कर रहा था, पर आना तो था ही। हम सभी वापस मेट्रो स्टेशन गए और मेट्रो में बैठे। इस रोमांचक यात्रा ने मेरे मन पर अमिट छाप छोड़ दी। बड़ा होकर मैं यहाँ पुनः आना चाहूँगा।

शब्दार्थ

अवसर – मौका
प्रफुल्लित – प्रसन्न
रोमांचक – हर्ष और आश्चर्य भरा
उत्सुकता – प्रबल इच्छा
आयात – आया अथवा मँगाया हुआ
शाही – राजसी
आभास – प्रतीत
अमिट – न मिटने वाली

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं– द्वार - द्‌वार, प्रसिद्ध - प्रसिद्‌ध

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

जन्मदिन एडवेंचर मेट्रो स्टेशन उत्सुकता साइक्लोन

2. सोचकर बताइए–

(क) सचिन दिल्ली क्यों आया था?

(ख) एडवेंचर आइलैंड में बच्चे सभी झूलों पर क्यों नहीं झूल सकते हैं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) दिल्ली में एडवेंचर आइलैंड कहाँ स्थित है?

....

(ख) दिल्ली स्थित एडवेंचर आइलैंड लोगों के लिए पहली बार कब खोला गया था?

....

(ग) सचिन ने दिल्ली में क्या-क्या देखा?

....

2. नीचे दी पंक्तियों को पाठ के अनुसार क्रम में लगाइए–

☐ हमने 'नरुला' में बैठकर आइसक्रीम खाई।

☐ जेपनीज़ पार्क पहुँचकर हमारी थकान न जाने कहाँ गायब हो गई।

☐ चाचा जी ने अंदर जाने के लिए टिकटें लीं।

☐ हम रिठाला मेट्रो स्टेशन पर उतरे।

☐ चाचा जी हमें 'वाटर पार्क' की ओर लेकर गए।

3. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) रोहिणी स्थित एडवेंचर आइलैंड .... एकड़ में फैला हुआ है।

(ख) एडवेंचर आइलैंड के अधिकतर झूले यूरोप से .... किए गए हैं।

(ग) मेट्रो वॉक मॉल में .... की दुकानें थीं।

तरह-तरह
बासठ
आयात

भाषा ज्ञान

बछड़े ने बहुत हाथ-पैर मारे **मगर मगर** ने अपनी पकड़ ढीली नहीं की। यहाँ 'मगर' शब्द के दो अर्थ हैं- मगर - लेकिन, मगर - मगरमच्छ।

1. इसी प्रकार आप भी नीचे दिए शब्दों के आधार पर वाक्य बनाइए।

जल -(जलना) ....

जल -(पानी) ....

हार -(पराजय) ....

हार -(गले का हार) ....

फल -(खाने वाला फल) ....

फल -(परिणाम) ....

2. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-

भाई - .... देश - .... खाना - ....

पिता - .... बच्चा - .... शाम - ....

3. नीचे दिए शब्दों के उचित विशेषण शब्द लिखिए-

.... ट्रेन .... आइसक्रीम .... झूले

.... पार्क .... बच्चे .... यात्रा

यात्रा वृत्तांत से आगे

- सचिन मेट्रो में बैठकर इतना खुश क्यों था?
- क्या आप एडवेंचर आइलैंड जाना चाहेंगे? यदि हाँ, तो किसके साथ?

कुछ करने को

- विश्व के आश्चर्यों के चित्र अपनी प्रोजेक्ट फाइल में चिपकाइए और उनके बारे में जानकारी एकत्र करके लिखिए। (निर्माण, निर्माता, स्थान और विशेषता के आधार पर)

नन्हे हाथों से

- कौन-सी जगह आपको सबसे अच्छी लगती है? आप बार-बार कहाँ जाना चाहेंगे? उसका चित्र लगाइए और उसके बारे में कुछ बातें भी लिखिए।

....

....

....

....

....

....

आप क्या करेंगे

- यदि आपकी इच्छा किसी विशेष स्थान को देखने की है और आप वहाँ जाना चाहते हैं लेकिन आपके माता-पिता मना करें तो–

(क) हठ करके अपनी बात मनवा लेंगे। ☐

(ख) बिना बताए वहाँ चले जाएँगे। ☐

(ग) उनकी बात मानकर कोई प्रतिक्रिया नहीं करेंगे। ☐

- एडवेंचर आइलैंड जैसे स्थानों पर आपकी कम उम्र और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए यदि कर्मचारी आपको खतरनाक झूलों पर न बैठने दे तो–

(क) उससे झगड़ा करेंगे। ☐

(ख) अपने माता-पिता द्वारा कर्मचारी पर दबाव डलवाएँगे जिससे कि वह आपकी बात मान लें। ☐

(ग) अपनी उम्र के अनुरूप झूलों पर बैठकर यात्रा का आनंद लेंगे। ☐

11 उचित-अनुचित

केवल पढ़ने के लिए

क्या हाथ आए शिकार को खाना अनुचित है?
उचित है।
मैंने शेर को बाहर निकाला। क्या इनका मुझे खाना उचित है?
इतना बड़ा शेर इस छोटे-से पिंजरे में? असंभव!
कैसी बात बोलते हो पंडित? आहा! आहा!
देखो! मैं इसी पिंजरे में था।
इस अहसान-फरामोश का यहीं रहना उचित है।

12 चाँद का हठ

हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से यह बोला,
सिलवा दो माँ मुझे ऊन का, मोटा एक झिंगोला।

सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े में मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह, यात्रा पूरी करता हूँ।

आसमान का सफ़र और यह, मौसम है जाड़े का,
न हो अगर तो ला दो मुझको, कुर्ता ही भाड़े का।

बच्चे की सुन बात कहा माता ने, "अरे सलोने!
कुशल करे भगवान, लगे ना तुझको जादू-टोने।

जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ,
एक नाप में कभी नहीं, तुझको देखा करती हूँ।

कभी एक अंगुल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है और किसी दिन छोटा।

घटता-बढ़ता रोज़, किसी दिन ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की भी आँखों को, दिखलाई पड़ता है।

अब तू ही यह बता, नाप तेरा किस रोज़ लिवाएँ,
सी दें एक झिंगोला, जो हर रोज़ बदन पे आए।"

—रामधारी सिंह 'दिनकर'

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बाल हठ से संबंधित कहानियाँ सुनाएँ।
- बच्चों को हठ न करने की सीख देते हुए कविता का वाचन करवाएँ।
- चंद्रमा के आकार के घटने-बढ़ने के क्या कारण हैं? चंद्रमा पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है। यह पृथ्वी की परिक्रमा करता है। मनुष्य चंद्रमा पर पहुँच चुका है। चंद्रमा पर कैसे पहुँचा जा सकता है? आदि जानकारी बच्चों को दें।

शब्दार्थ

हठ – ज़िद				झिंगोला – ढीला-ढाला वस्त्र	
सन-सन – तेज़ हवा के झोंकों की आवाज़				ठिठुरना – काँपना	
यात्रा – सफ़र	भाड़ा – किराया			सलोना – सुंदर	
कुशल – मंगलमय	अंगुल भर – उँगली की चौड़ाई के बराबर				

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

चाँद झिंगोला चौड़ा मौसम ठिठुर

2. सोचकर बताइए–

(क) चाँद झिंगोला क्यों सिलवाना चाहता है?

(ख) 'एक नाप में कभी नहीं, तुझको देखा करती हूँ।' माँ ने ऐसा क्यों कहा?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चाँद माँ से क्या कह रहा है?

....

(ख) माँ चाँद के लिए क्या प्रार्थना करती है?

....

(ग) माँ चाँद के लिए झिंगोला क्यों नहीं सिलवा पाती?

....

....

2. नीचे दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) ...., मौसम है जाड़े का, न हो अगर तो ला दो मुझको, ...।

(ख) ...., कभी एक फुट मोटा,

बड़ा किसी दिन हो जाता है ....।

(ग) ...., नाप तेरा किस रोज़ लिवाएँ,

सी दें एक झिंगोला, जो ....।

3. नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) चाँद किस मौसम की बात कर रहा है?

(i) सरदी ☐ (ii) गरमी ☐ (iii) बरसात ☐

(ख) चाँद कहाँ सफ़र करता है?

(i) धरती पर ☐ (ii) आकाश में ☐ (iii) पाताल में ☐

(ग) माँ चाँद को किस नाम से पुकारती है?

(i) टोने ☐ (ii) मोने ☐ (iii) सलोने ☐

4. लय-ताल मिलाइए–

बोला	जाड़े	सलोने ....
डरती	मोटा	करता ....

भाषा ज्ञान

1. वर्ग-पहेली में से पर्यायवाची शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

राजा	चाँद ....
कपड़ा	आँख ....
हवा	जंगल ....
पक्षी	पुष्प ....
आकाश	शेर ....

भू	प	ति	व	ट
चं	व	स्त्र	न	भ
द्र	न	य	न	म
मा	ता	काँ	फू	ल
सिं	ह	ख	ग	प

2. नीचे दिए गए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

कुसल	ठिठूर	सलौने ....
हिंदु	उंगुल	झींगोला ....

3. नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर रेखांकित शब्दों के लिंग लिखिए–

(क) चिट्ठी आई है। ....स्त्रीलिंग............

(ख) छात्र पढ़ रहा है। ....

(ग) मेरी पुस्तक खो गई है। ....

(घ) सिंह दहाड़ रहा है। ....

(ङ) मोर वन में नाचता है। ....

4. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक दिन न्यूटन पेड़ के नीचे लेटा कुछ सोच रहा था। पेड़ से अचानक एक सेब नीचे का गिरा। न्यूटन ने ऊपर देखा। सेब डाल से टूटा और नीचे आ गिरा। ऊपर क्यों नहीं गया? नीचे ही क्यों आया? बस उस दिन से न्यूटन प्रयोग करने लगा कि कौन-कौन सी वस्तुएँ ऊपर फेंकने से नीचे आती हैं। उसने एक नियम का पता लगा लिया। वह नियम था–गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत यानि पृथ्वी की प्रत्येक वस्तु को अपनी ओर खींचने की शक्ति।

(क) न्यूटन क्या कर रहा था?

(*i*) खा रहा था ☐ (*ii*) सो रहा था ☐ (*iii*) सोच रहा था ☐

(ख) न्यूटन कौन-से पेड़ के नीचे लेटा था?

(*i*) आम के ☐ (*ii*) सेब के ☐ (*iii*) चीकू के ☐

(ग) न्यूटन ने किस नियम की खोज की?

....

(घ) गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत का क्या अर्थ है?

....

(ड.) उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए?

....

कविता से आगे

- चाँद रोज़ाना घटता-बढ़ता क्यों है?
- चाँद की माँ को झिंगोला सिलने के लिए किन-किन वस्तुओं की ज़रूरत पड़ेगी?

नन्हे हाथों से

- चित्र को देखकर कुछ वाक्य लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- कविता को याद करके भावानुरूप वाचन कीजिए।
- 'चाँद' से संबंधित अन्य कविताओं का संग्रह कीजिए।

आप क्या करेंगे

- जब आप किसी बच्चे को अपने माता-पिता से हठ करते हुए देखने पर–

(क) उसकी तरह हठ करेंगे। ☐

(ख) गंदी आदत है, यह सोचकर कुछ नहीं करेंगे। ☐

(ग) उसे ऐसा करने पर समझाएँगे। ☐

- मेले आदि में अपनी मनपसंद वस्तुएँ देखकर–

(क) उन्हें लेने के लिए हठ करेंगे। ☐

(ख) अपने मन की बात मन में ही रखेंगे। ☐

(ग) अपनी इच्छा सम्मानपूर्वक माता-पिता को बताएँगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) ऑक्टोपस की कितनी भुजाएँ होती हैं?

(*i*) चार	☐	(*ii*) पाँच	☐
(*iii*) आठ	☐	(*iv*) दस	☐

(ख) वह कौन-सा जीव है जो तीन सौ वर्षों तक जीवित रह सकता है?

(*i*) कछुआ	☐	(*ii*) हाथी	☐
(*iii*) ह्वेल मछली	☐	(*iv*) गेंडा	☐

(ग) जंगल का राजा किसे कहते हैं?

(*i*) हाथी को	☐	(*ii*) सिंह को	☐
(*iii*) चीते को	☐	(*iv*) भालू को	☐

(घ) किस पक्षी को दिन में दिखाई नहीं देता?

(*i*) उल्लू को	☐	(*ii*) कोयल को	☐
(*iii*) बुलबुल को	☐	(*iv*) कबूतर को	☐

(ङ) किस जानवर की नाक पर सींग होता है?

(*i*) हाथी की	☐	(*ii*) गेंडे की	☐
(*iii*) दरियाई घोड़े की	☐	(*iv*) लोमड़ी की	☐

(च) सबसे बड़ी मछली कौन-सी है?

(*i*) ह्वेल मछली	☐	(*ii*) डॉलफिन मछली	☐
(*iii*) शार्क मछली	☐	(*iv*) झींगा मछली	☐

(छ) सबसे वफादार जानवर किसे माना जाता है?

(*i*) शेर को	☐	(*ii*) गाय को	☐
(*iii*) कुत्ते को	☐	(*iv*) बिल्ली को	☐

(ज) कुतुब मीनार कहाँ स्थित है?

(*i*) कोलकाता में ☐ (*ii*) दिल्ली में ☐
(*iii*) मुंबई में ☐ (*iv*) हैदराबाद में ☐

(झ) स्वर्ण मंदिर कहाँ स्थित है?

(*i*) अमेठी में ☐ (*ii*) रायबरेली में ☐
(*iii*) अमृतसर में ☐ (*iv*) गोंडा में ☐

(ञ) ताजमहल कहाँ स्थित है?

(*i*) आगरा में ☐ (*ii*) दिल्ली में ☐
(*iii*) चेन्नई में ☐ (*iv*) हैदराबाद में ☐

(ट) लालकिला किसने बनवाया था?

(*i*) बहादुरशाह जफ़र ने ☐ (*ii*) अकबर ने ☐
(*iii*) शाहजहाँ ने ☐ (*iv*) जहाँगीर ने ☐

(ठ) किस पशु के पेट पर थैली होती है। जिसमें वह अपने बच्चे को लेकर चलता है?

(*i*) गाय के ☐ (*ii*) हाथी के ☐
(*iii*) कंगारू के ☐ (*iv*) बंदर के ☐

(ड) एक दिन में कितने घंटे होते हैं?

(*i*) 20 ☐ (*ii*) 22 ☐
(*iii*) 24 ☐ (*iv*) 26 ☐

(ढ) एक सप्ताह में कितने दिन होते हैं?

(*i*) चार ☐ (*ii*) पाँच ☐
(*iii*) सात ☐ (*iv*) आठ ☐

13 पोंगल

पोंगल मुख्यतः तमिलनाडु का त्योहार है। परंतु इसे पूरे भारत में हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में मकर संक्रांति और दक्षिण भारत में पोंगल एक ही दिन मनाए जाते हैं।

पोंगल का त्योहार चार दिन तक मनाया जाता है। यह त्योहार मुख्यतः नई फसल से संबंधित है। दक्षिण भारत में जनवरी माह में धान की फसल की कटाई की जाती है। धान को कूटकर नया चावल घर में लाया जाता है। इस चावल को पकाकर तथा सूर्य को इसका भोग लगाकर प्रसाद के रूप में बाँटा जाता है।

पोंगल के पहले दिन घरों की साफ़-सफ़ाई की जाती है। घर-आँगन विशेष रूप से सजाए जाते हैं और गीत-संगीत का आयोजन किया जाता है। इसे 'भोगी पोंगल' भी कहते हैं। इस दिन इंद्र देवता की पूजा की जाती है। इंद्र देवता वर्षा के देवता माने जाते हैं। चूँकि फसलों के लिए वर्षा की आवश्यकता होती है। इसलिए पहले ही दिन इंद्र देवता का पूजन किया जाता है।

शिक्षण संकेत

- त्योहार सभी को प्रिय होते हैं, विशेष रूप से बच्चों को। बच्चों को पोंगल त्योहार के साथ-साथ संक्रांति, लोहड़ी आदि त्योहारों के बारे में भी बताएँ। इनमें क्या समानताएँ हैं, यह भी बताएँ।
- बच्चों को त्योहारों का महत्त्व भी समझाएँ।

दूसरे दिन सूर्य देवता की पूजा की जाती है। सूर्य ऊष्मा व ऊर्जा के वाहक हैं। इनके बिना फसलों का उगना असंभव है। इसलिए सूर्य देवता को प्रसन्न रखने और धन्यवाद देने के लिए दूध, घी, गुड़ और चावलों का व्यंजन बनाकर भोग लगाया जाता है। सभी नए-नए वस्त्र पहनकर सूर्य की पूजा करते हैं। इसे 'सूर्य पोंगल' भी कहते हैं।

तीसरे दिन 'मट्टू पोंगल' मनाया जाता है। इस दिन पशुओं को विशेष रूप से सजाया जाता है। उनको तिलक लगाकर उनकी आरती की जाती है। चूँकि कृषि कार्यों में पशुओं का विशेष योगदान होता है इसलिए उन्हें पूजकर प्रसाद खिलाया जाता है।

चौथे दिन 'मीठा पोंगल' मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाती हैं, उन्हें मीठे व्यंजन बनाकर खिलाती हैं और उनके मंगल की कामना करती हैं। नृत्य-संगीत और सामूहिक भोज के आयोजन के साथ ही त्योहार की समाप्ति हो जाती है।

शब्दार्थ

हर्ष	–	खुशी	माह	–	महीना	आयोजन	–	प्रबंध
वाहक	–	ले जाने वाला	व्यंजन	–	पकवान	वस्त्र	–	कपड़े
भोज	–	दावत	त्योहार	–	पर्व			

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

पोंगल तमिलनाडु मकर संक्रांति व्यंजन सामूहिक

2. सोचकर बताइए–

(क) पोंगल के पहले दिन क्या किया जाता है?

(ख) 'सूर्य पोंगल' कब और कैसे मनाया जाता है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) 'भोगी पोंगल' के दिन किसकी पूजा की जाती है?

....

(ख) इंद्र देवता की पूजा क्यों की जाती है?

....

(ग) 'मीठा पोंगल' के दिन बहनें क्या करती हैं?

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) पोंगल का त्योहार कितने दिनों तक मनाया जाता है?

(*i*) एक ☐ (*ii*) दो ☐ (*iii*) चार ☐

(ख) 'मट्टू पोंगल' के दिन विशेष रूप से किन्हें सजाया जाता है?

(*i*) मूर्तियों को ☐ (*ii*) पशुओं को ☐ (*iii*) भाइयों को ☐

(ग) ऊष्मा एवं ऊर्जा का वाहक कौन है?

(*i*) इंद्र ☐ (*ii*) सूर्य ☐ (*iii*) पशु ☐

3. सही मिलान कीजिए–

(क)	(ख)
मकर संक्रांति	में सूर्य की पूजा की जाती है।
पोंगल	के दिन बहनें भाइयों को तिलक लगाती हैं।
सूर्य पोंगल	का त्योहार उत्तर भारत में मनाया जाता है।
मीठा पोंगल	में पशुओं की पूजा की जाती है।
मट्टू पोंगल	दक्षिण भारत में मनाया जाता है।

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

इंद्र – .... भाई – ....

घर – .... दिन – ....

वस्त्र – .... देवता – ....

2. बहुवचन शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए–

(क) फसल के पकने का कई .... इंतजार करना पड़ता है। (महीना)

(ख) भारत में अनेक देवी- .... को पूजा जाता है। (देवता)

(ग) मट्टू पोंगल के दिन .... को विशेष रूप से सजाया जाता है। (पशु)

(घ) .... भाइयों के लिए मंगल की कामना करती हैं। (बहन)

3. नीचे दिए शब्दों में एक मात्रा बदलने से शब्द का अर्थ बदल गया है। ऐसे और जोड़े बनाकर लिखिए–

दिन – दीन मेल – मैल

.... – .... – ....

.... – .... – ....

निबंध से आगे

- यदि हमारे जीवन में त्योहार न होते तो क्या होता?

- नीचे दिए त्योहार कब मनाए जाते हैं–

स्वतंत्रता दिवस	गणतंत्र दिवस	बाल दिवस
....	....	....
गांधी जयंती	शिक्षक दिवस	क्रिसमस–डे
....	....	....

नन्हे हाथों से

- **नीचे दिए गए चित्र अलग-अलग त्योहारों से संबंधित हैं। चित्रों को पहचानकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए कि ये कौन-कौन से त्यौहार हैं और कैसे मनाए जाते हैं?**

कुछ करने को

- भारत विभिन्न धर्मों का देश है। यहाँ अनेक धार्मिक और राष्ट्रीय त्योहार मनाए जाते हैं। विभिन्न धार्मिक त्योहारों के चित्र एकत्रित कर उत्तर–पुस्तिका में कोलॉज बनाइए।
- भारत के राष्ट्रीय त्योहार कौन–कौन से हैं? उनके नाम उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

14 टिपटिपवा

किसी गाँव में एक छोटी-सी कुटिया थी। उस कुटिया में एक बुढ़िया अपने पोते के साथ रहती थी। पोता रोज़ रात को सोने से पहले दादी से कहानी सुनता था।

एक बार गाँव में मूसलाधार बारिश हुई। बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सारा गाँव बारिश से परेशान था। बुढ़िया की कुटिया में जगह-जगह से पानी टपक रहा था-'टिपटिप-टिपटिप'। बुढ़िया उस टिपटिप से बहुत परेशान थी। पोता दादी से बार-बार कहानी सुनाने के लिए कह रहा था। इस पर बुढ़िया खीजकर बोली, "अरे बेटा! कैसे कहानी सुनाऊँ? इस टिपटिपवा से जान बचे तब न!" पोता दादी को परेशान देखकर बोला, "दादी! सब टिपटिपवा से क्यों डरते हैं?"

दादी छत से टपकते पानी को देखकर बोली, "इस टिपटिपवा से तो भगवान ही बचाए। यह न तो शेर से डरता है और न बाघ से। जहाँ इसका मन करता है, वहीं टपक जाता है। कोई किसी से डरे या न डरे, इस टिपटिपवा से ज़रूर डरता होगा।"

संयोग से एक बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे छिपा हुआ था। बुढ़िया की बात सुनकर वह डर गया। "यह टिपटिपवा न जाने क्या बला है? ज़रूर कोई बड़ा खतरनाक जानवर होगा। इससे पहले कि वह मुझ पर हमला करे, यहाँ से तुरंत भाग जाना चाहिए।" यह सोचकर बाघ वहाँ से दुम दबाकर भाग निकला।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को बताएँ कि लोककथाओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी चाव से सुना और सुनाया जाता है।
- हर प्रदेश की अलग-अलग कथाएँ होती हैं। यह उत्तर प्रदेश की एक प्रसिद्ध लोककथा है, यह भी बताएँ।
- बच्चों को अन्य लोककथाएँ सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

उसी गाँव में एक धोबी रहता था। उसका गधा कहीं चला गया था। धोबी सारा दिन बारिश में भीगते हुए उसे ढूँढ़ता रहा लेकिन गधा कहीं नहीं मिला। धोबी को परेशान देख उसकी पत्नी बोली, "पंडित जी से क्यों नहीं पूछ लेते? उन्हें तो सबकी खबर रहती है।" धोबी को पत्नी की बात सही लगी। वह अपना मोटा डंडा लेकर पंडित जी के घर की ओर चल दिया।

पंडित के घर में बारिश का पानी भरा था। वे पानी को उलीच-उलीच कर बाहर फेंक रहे थे। तभी धोबी ने आकर पूछा, "महाराज! मेरा गधा सुबह से मिल नहीं रहा है। ज़रा पोथी बाँचकर बताइए कि वह कहाँ है?" पंडित जी बेचारे पहले से परेशान थे, बोले, "मेरी पोथी में तेरे गधे का पता-ठिकाना लिखा है क्या? जा! जाकर किसी गड्ढे या तालाब में देख।"

यह सुनकर धोबी तालाब की ओर चल दिया। तालाब के किनारे ऊँची-ऊँची घास थी। उसमें बाघ छिपा बैठा था। बाघ के हिलने से घास हिली। धोबी ने सोचा कि गधा घास में छिपा बैठा है। उसने आव देखा न ताव, लगा डंडा बरसाने बाघ पर। बेचारा बाघ अचानक हुए हमले से घबरा गया। उसने सोचा यही टिपटिपवा है। आखिर इसने मुझे ढूँढ़ ही लिया।

धोबी ने बिना देखे बाघ का कान पकड़ा और उसे घसीटता हुआ घर की ओर चल दिया। बाघ भीगी बिल्ली बना उसके साथ-साथ चल दिया। घर पहुँचकर धोबी ने उसे खूँटे से बाँध दिया और सो गया।

सुबह जब गाँव वालों ने बाघ को खूँटे से बँधे देखा तो उनकी आँखें खुली-की-खुली रह गईं। बाघ बेचारा यही सोच रहा था, "टिपटिपवा की पकड़ में तो आ गए, लेकिन कोई बात नहीं, जान तो बच गई।"

शिक्षा डर बुद्धि और बल दोनों को समाप्त कर देता है।

शब्दार्थ

कुटिया	– झोंपड़ी	मूसलाधार बारिश	– लगातार, बिना रुके बारिश होना
खीजकर	– चिढ़कर	बला	– मुसीबत
हमला	– प्राक्रमण	पोथी बाँचना	– किताब पढ़ना
आव देखा ना ताव	– बिना सोचे-समझे कार्य करना		
भीगी बिल्ली बनना	– डरकर दीन-हीन बनना		

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

कुटिया मूसलाधार टिपटिपवा घसीटता

2. सोचकर बताइए–

(क) बाघ किससे और क्यों डर गया था?

(ख) बाघ भीगी बिल्ली बनकर धोबी के साथ क्यों चल दिया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सारा गाँव किससे परेशान था?

....

(ख) धोबी पंडित के घर क्यों गया?

....

(ग) खूँटे से बँधा बाघ क्या सोच रहा था?

....

2. कौन किससे परेशान था? मिलान कीजिए–

बाघ	गधे के ना मिलने से
धोबी	बारिश के पानी से
पंडित	टिपटिपवा के भय से

3. किसने कहा–

(क) कोई किसी से डरे या न डरे, इस टिपटिपवा से ज़रूर डरता होगा।

(*i*) बच्चे ने ☐ (*ii*) बुढ़िया ने ☐ (*iii*) पंडित ने ☐

(ख) पंडित जी से क्यों नहीं पूछ लेते?

(*i*) धोबी की पत्नी ने ☐ (*ii*) बुढ़िया ने ☐ (*iii*) पंडिताइन ने ☐

(ग) ज़रा पोथी बाँचकर बताइए कि वह कहाँ है?

(*i*) पंडित ने ☐ (*ii*) बच्चे ने ☐ (*iii*) धोबी ने ☐

(घ) मेरी पोथी में तेरे गधे का पता–ठिकाना लिखा है क्या?

(*i*) धोबी ने ☐ (*ii*) पंडित ने ☐ (*iii*) बुढ़िया ने ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के लिए उचित विशेषण शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–

छोटी–सी	कुटिया	....	बारिश
....	डंडा	....	घास
....	बाघ	....	गाँव

2. चित्र देखकर जो मुहावरे या कहावतें याद आती हैं, उन्हें लिखिए–

....

3. पानी के टपकने से टिप–टिप की आवाज़ आती है। नीचे दी गई आवाज़ों का सही मिलान कीजिए।

भिन–भिन	घड़ी
टर्र–टर्र	मक्खी
चीं–चीं	रेलगाड़ी
छुक–छुक	चिड़िया
टिक–टिक	मेंढक

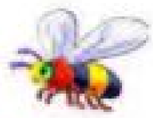
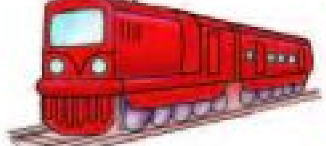

कथा से आगे

- यदि बाघ टिपटिपवा से भयभीत न होता तो कहानी क्या बनती?
- यदि धोबी यह देख लेता कि मैंने गधे का नहीं बाघ का कान पकड़ा है तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- बिंदु मिलाकर चित्र को पूरा कीजिए और उसमें रंग भरिए–

- बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है। अब आप निम्न के बारे में पता लगाकर लिखिए–

राष्ट्रीय पक्षी–	राष्ट्रीय जलीय जीव – ....
राष्ट्रीय झंडा–	राष्ट्रीय मुद्रा – ....
राष्ट्रीय फूल–	राष्ट्रीय गीत – ....

कुछ करने को

- अध्यापिका की सहायता से कक्षा में बच्चों को दो समूहों में विभाजित कीजिए। एक समूह किसी पशु या पक्षी की आवाज़ निकाले और दूसरा समूह पहचानकर उसका नाम बताए।
- अपने स्थानीय परिवेश से संबंधित लोककथाओं को कक्षा में सुनाइए।

15 कछुआ

एक पेड़ के नीचे कुछ बच्चे खेल रहे थे। धूप से बचने के लिए एक कछुआ पेड़ की छाया की ओर आ रहा था। तभी एक बच्चे की नज़र उस पर पड़ी। वह चिल्लाया, "कछुआ!" सभी उसे देखने लगे। उन्हें बड़ा अच्छा लग रहा था। तभी एक बच्चे ने पत्थर उठाकर उस पर दे मारा। कछुए ने अपने पैरों और मुँह को अपने खोल के अंदर सिकोड़ लिया। एक और पत्थर उसकी पीठ पर लगा, फिर तो उसके ऊपर पत्थर-पर-पत्थर पड़ने लगे।

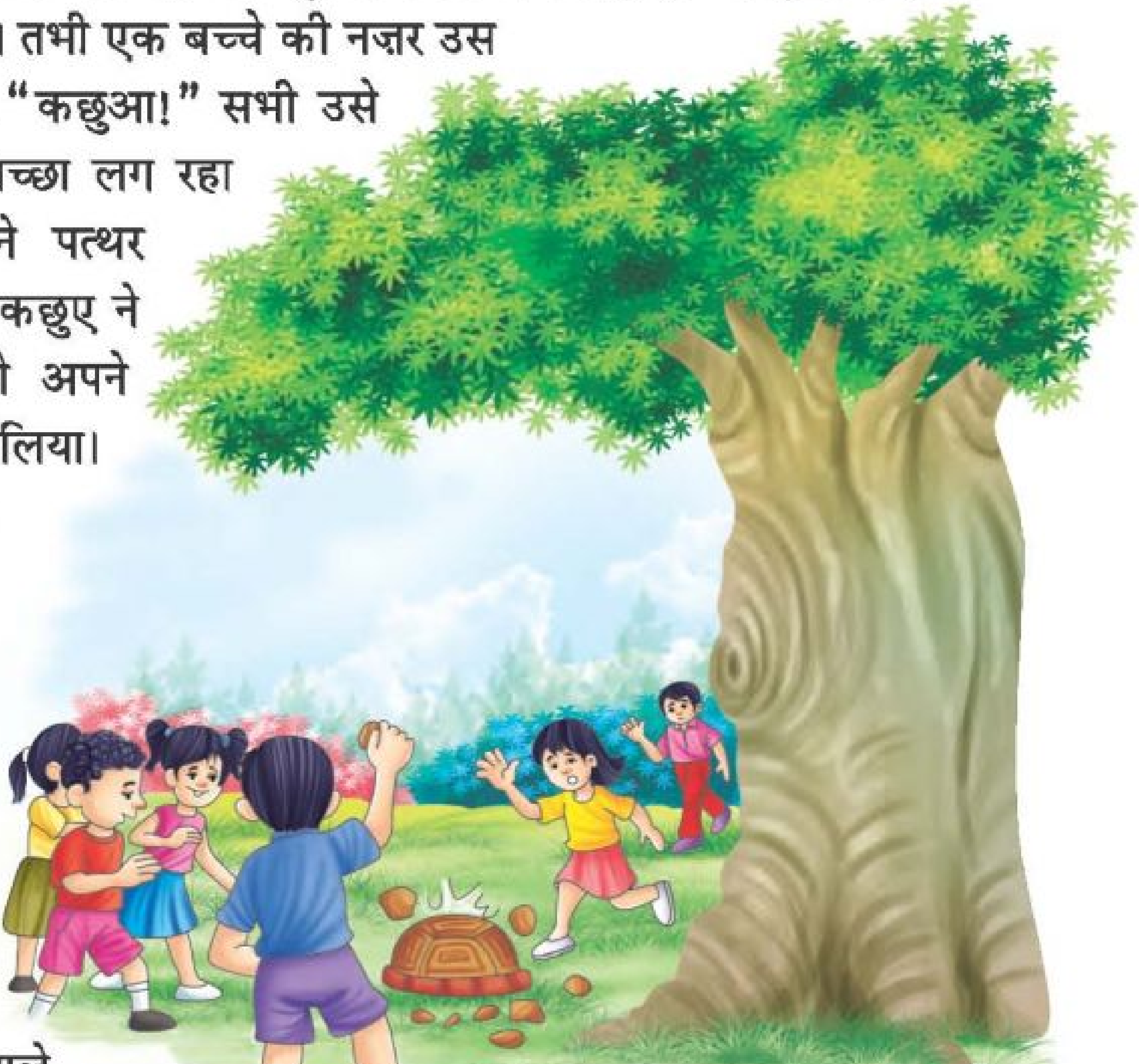

यह देखकर मुन्नी चिल्लाई, "मत मारो! मत मारो! बेचारे को।" लेकिन बच्चे कब मानने वाले थे? वे पत्थरों की बरसात करते रहे और कछुए ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। बच्चों का कोलाहल सुनकर जगन आ गया। जगन मुन्नी का बड़ा भाई था। जगन की उम्र बारह वर्ष थी। उसने बच्चों को रोककर कछुए पर पड़े ढेरों पत्थर हटाए।

शिक्षण संकेत

- जीव-जंतुओं व पशु-पक्षियों को न सताने की सीख देते हुए बच्चों को विभिन्न जीव-जंतुओं के बारे में जानकारी दें।
- पृथ्वी पर सबसे लंबी आयु कछुए की होती है, यह लगभग 300 वर्ष तक जी सकता है जैसी रोचक जानकारियाँ देते हुए बच्चों से पाठ का वाचन करवाएँ।

"यह तो मर गया भैया!" मुन्नी ने कहा। जगन ने उसकी पीठ पकड़ी और उसे उठा लिया। वह बोला, "नहीं मुन्नी! यह मरा नहीं है। इससे भारी पत्थर भी अगर इसकी पीठ पर पड़े तो भी यह मर नहीं सकता। चलो, इसे घर ले चलते हैं।"

मुन्नी और जगन कछुए को घर ले आए। घर के पीछे उन्होंने उसके रहने के लिए बाड़ा बना दिया। मुन्नी उसके लिए पानी लाई। थोड़ी देर में कछुए ने अपना मुँह बाहर

निकाला फिर पैर बाहर निकाले। पानी पीकर वह रेंगने लगा। जगन ने उसके आस-पास रोटी के टुकड़े बिखेर दिए। कछुआ रोटी खाने लगा। दोनों बच्चों ने कछुए की देखभाल करनी शुरू कर दी।

कछुआ उनका मित्र बन गया। वह मुन्नी और जगन को पहचानने लगा। वह मुन्नी के हाथ से ही रोटी खाता था। मुन्नी उसके साथ खेलती थी। अब मुन्नी को उससे डर नहीं लगता था। वह उसे गोद में उठा लेती थी। उसे उलटा करके देखती कि वह कैसे अपना मुँह और पैर अंदर ले जाता है। कछुआ आस-पास के छोटे-छोटे पौधों के पत्ते खा जाता था। गोभी के पत्ते उसे सबसे अधिक स्वादिष्ट लगते थे।

सरदी का मौसम आ गया। मुन्नी ने जगन से कहा, "भैया! कछुए को सरदी लगती होगी क्या?" जगन ने कहा, "नहीं, उसे सरदी नहीं लग सकती। उसकी त्वचा बहुत मोटी है। तुम उसकी चिंता मत करो।" रात को हलकी-सी बारिश की बूँदें पड़ीं तो

मुन्नी कछुए को देखने के लिए उठी। कछुआ बाड़े में नहीं था। उसने जगन को जगाया। जगन ने कछुए को बहुत ढूँढ़ा, लेकिन कछुआ नहीं मिला। सुबह होते-होते मुन्नी रोने लगी। चारों ओर कछुए को ढूँढ़ा गया। कछुए का कहीं कोई पता न चला। सभी ने यह मान लिया कि कोई कछुए को चुराकर ले गया है। कुछ दिनों में जगन का लगाव भी कम हो गया, पर मुन्नी उसे भुला नहीं सकी।

एक महीने बाद कछुआ उसी बाड़े में फिर से आ गया। सरदी से बचने के लिए वह पंजों से मिट्टी को खोदकर ज़मीन के अंदर चला गया था। इसलिए वह उन्हें दिखाई नहीं दिया था। अब उन्हें पता चला कि ज़मीन पर रहने वाले कछुओं को ठंड लगती है, पानी में रहने वाले कछुओं को नहीं। कछुए को देखकर मुन्नी और जगन फिर से खुश हो गए।

शब्दार्थ

सिकोड़ना	समेटना	उम्र	अवस्था	बाड़ा	पशुशाला, घेरा
देखभाल	निगरानी, परवरिश	मित्र	दोस्त	स्वादिष्ट	ज़ायकेदार

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

मिट्टी - मिट्‌टी पत्ते - पत्‍ते ठंड - ठण्ड सर्दी - सरदी

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

कछुआ पत्थर हिलना-डुलना स्वादिष्ट

2. सोचकर बताइए–

(क) कछुए को देखकर बच्चों ने क्या किया?

(ख) कछुए को चोट क्यों नहीं लगी?

(ग) कछुए की देखभाल किसने की?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पत्थर लगने पर कछुए ने क्या किया?

....

(ख) मुन्नी और जगन ने कछुए की देखभाल कैसे की?

....

(ग) कछुआ क्या-क्या खाता था?

....

(घ) कछुआ कहाँ और क्यों चला गया था?

....

2. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–

मुन्नी, पहचानने, कछुए, सभी

(क) जगन .... का बड़ा भाई था।

(ख) मुन्नी और जगन .... को घर ले आए।

(ग) कछुआ मुन्नी और जगन को .... लगा।

(घ) .... ने यह मान लिया कि कोई कछुए को चुराकर ले गया है।

3. किसने, किससे कहा–

	किसने कहा	किससे कहा
(क) "मत मारो! मत मारो! बेचारे को।"	....	....
(ख) "यह तो मर गया भैया!"	....	....
(ग) "नहीं, उसे सरदी नहीं लग सकती।"	....	....

4. नीचे दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) धूप से बचने के लिए पेड़ की छाया में कौन आ गया था?

(*i*) शेर ☐ (*ii*) बत्तख ☐ (*iii*) कछुआ ☐

(ख) जगन की उम्र कितनी थी?

(*i*) बारह वर्ष ☐ (*ii*) दस वर्ष ☐ (*iii*) पंद्रह वर्ष ☐

(ग) कछुए को सबसे अधिक स्वादिष्ट क्या लगता था?

(*i*) गाजर के पत्ते ☐ (*ii*) गोभी के पत्ते ☐ (*iii*) मूली के पत्ते ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) सप्ताह में एक बार होने वाला – ....

(ख) मास में एक बार होने वाला – ....

(ग) वर्ष में एक बार होने वाला – ....

(घ) जिसके हृदय में दया न हो – ....

(ङ) जहाँ पुस्तकें रखी जाती हैं। – ....

2. नीचे दिए गए एकवचन शब्दों के बहुवचन शब्द लिखिए–

(क) बूँद – .... (ख) पत्ता – ....

(ग) बाड़ा – .... (घ) पौधा – ....

(ङ) टुकड़ा – .... (च) कछुआ – ....

पढ़ते समय कहीं-कहीं रुकना पड़ता है– कभी कम और कभी अधिक। रुकने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें **विराम चिह्न** कहते हैं।

पूर्णविराम	(।)	–	वाक्य के पूरा होने पर लगाया जाता है।
प्रश्नवाचक चिह्न	(?)	–	जब वाक्य में कोई प्रश्न पूछा जाए।
अल्पविराम	(,)	–	जब वाक्य में थोड़ा रुकना पड़े।
विस्मयादिबोधक	(!)	–	जब वाक्य में हर्ष, शोक, घृणा आदि का बोध हो।

3. नीचे दिए गए वाक्यों में विराम चिह्न लगाइए–

(क) मैं तीसरी कक्षा में पढ़ता हूँ

(ख) हाँ मैं कल यहाँ आया था

(ग) तुम यहाँ कितने बजे आई

(घ) तुम कहाँ रहती हो

(ङ) वाह कितना बड़ा मकान है

(च) हाय हम तो लुट गए

(छ) क्या यह तुम्हारी घड़ी है

(ज) तुम्हारा नाम क्या है

कथा से आगे

- यदि कछुए की पीठ कठोर न होती तो क्या होता?
- अगर आप जगन की जगह होते तो क्या करते?

नन्हे हाथों से

- एक बड़ी मछली छोटी मछलियों से कुछ कह रही है। इस पृष्ठ को शीशे में देखकर पढ़िए कि वह क्या कह रही है? इन शब्दों को पढ़कर नीचे दिए गए बॉक्स में लिखिए।

....

- मछलियों के साथ कौन-सी घटना घटी होगी? कल्पना करके लिखिए।

....

....

....

कुछ करने को

- पानी में रहने वाले जीवों के चित्र लगाइए–

आप क्या करेंगे

- यदि आपके सामने बच्चे किसी जानवर को पत्थर से मार रहे हों तो–

(क) आप भी पत्थर मारने लगेंगे। ☐

(ख) उनके पास खड़े होकर देखेंगे। ☐

(ग) ऐसा न करने के लिए उन्हें समझाएँगे। ☐

- यदि विद्यालय में आप से छोटा कोई बच्चा अकेला बैठकर रो रहा हो तो–

(क) उसे देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐

(ख) उसे चिढ़ाएँगे। ☐

(ग) बातचीत करके उसे चुप कराने की कोशिश करेंगे। ☐

16 यज्ञ का घोड़ा

बहुत समय पहले की बात है। श्री राम ने सीता जी को त्यागने का आदेश दिया इसलिए लक्ष्मण सीता जी को वन में छोड़कर चले गए। सीता जी वन में ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में रहने लगीं। वहाँ उन्होंने अत्यंत सुंदर जुड़वा शिशुओं को जन्म दिया। वाल्मीकि ने उनका नाम लव और कुश रखा। ऋषि ने उनके पालन-पोषण के साथ-साथ उन्हें शिक्षा-दीक्षा भी देनी शुरू की। ऋषि ने संपूर्ण रामायण को श्लोकों के रूप में उन्हें कंठस्थ करवा दिया। लव-कुश जब थोड़ा बड़े हुए तो ऋषि ने उन्हें अस्त्र-शस्त्र भी चलाने सिखाए। कुछ ही समय में वे दोनों युद्ध में पारंगत हो गए।

एक दिन राजा राम ने चक्रवर्ती सम्राट की उपाधि पाने के लिए 'अश्वमेघ यज्ञ' का आयोजन किया। यज्ञ में अनेक राजाओं ने भाग लिया। सभी राजाओं ने सर्वसम्मति से श्री राम का आधिपत्य स्वीकार कर लिया। यज्ञ में यह घोषणा की गई कि श्री राम

शिक्षण संकेत

- बच्चों को रामायण, महाभारत आदि ग्रंथों की कथाएँ सुनाएँ।
- बच्चों को जानकारी दें कि सीता जी को वनवास क्यों जाना पड़ा था?
- श्री राम एक आदर्श राजा, पुत्र एवं महान चरित्र के स्वामी थे। उन्होंने पिता के वचन को पूरा करने के लिए चौदह वर्ष वनवास में बिताए और बुराई पर अच्छाई की जीत करके ही वे अयोध्या वापस आए, जैसी घटनाएँ सुनाकर बच्चों को आज्ञाकारी बनने के लिए प्रेरित करें और अच्छाई के मार्ग पर चलने की शिक्षा दें।

द्वारा छोड़ा गया घोड़ा जिस-जिस राज्य से होकर गुजरेगा, उस-उस राज्य पर श्री राम का अधिकार होगा। जिस राजा को यह शर्त स्वीकार न हो वह घोड़े को रोक सकता है। जो भी घोड़े को रोकेगा, उसे श्री राम के साथ युद्ध करना पड़ेगा।

सफ़ेद घोड़े को गहनों व सुंदर वस्त्रों से सुसज्जित करके छोड़ दिया गया और घोड़े के गले में उपरोक्त घोषणा लिखकर लटका दी गई।

यज्ञ का घोड़ा घूमते-घूमते ऋषि वाल्मीकि के आश्रम के समीप पहुँच गया। जब लव-कुश ने सुंदर घोड़े को देखा तो उसे पकड़कर आश्रम में ले आए। घोड़े के पकड़े जाने का समाचार सुनकर श्री राम का भाई शत्रुघ्न सैनिकों के साथ वहाँ आ पहुँचा। जब शत्रुघ्न ने घोड़े के साथ बालकों को देखा तो उन्हें समझाने का प्रयत्न किया। जब वे दोनों घोड़े को छोड़ने के

लिए तैयार नहीं हुए तो शत्रुघ्न ने उन्हें ललकारते हुए कहा, "यदि तुमने घोड़ा नहीं दिया तो हमारे साथ युद्ध करना पड़ेगा।"

बालक तो जैसे युद्ध के लिए तैयार बैठे थे। उन्होंने धनुष-बाण निकाल लिए। दोनों ओर से बाणों की वर्षा होने लगी। कुछ ही देर में बालकों ने सभी सैनिकों को मार गिराया और शत्रुघ्न को भी वहाँ से भाग जाने को विवश कर दिया।

शत्रुघ्न पुनः बड़ी सेना लेकर युद्ध करने आया। भयंकर युद्ध हुआ और शत्रुघ्न को दोबारा हार का मुँह देखना पड़ा। अंततः श्री राम को युद्ध के लिए स्वयं आना पड़ा। सीता जी ने जब श्री राम के आने की बात सुनी तो वे भी आश्रम से बाहर आ गईं। श्री राम को देखकर वे लव-कुश से बोलीं, "नहीं, वत्स! ये तुम्हारे पिता जी हैं। इनसे युद्ध मत करो।" माँ की बात सुनकर उन्होंने अपने शस्त्र फेंक दिए।

श्री राम ने सीता जी को पहचान लिया। जब उन्हें पता चला कि लव और कुश उन्हीं के पुत्र हैं तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने हर्ष के साथ उन्हें गले लगाया। युद्ध-विद्या में पारंगत एवं व्यवहार-कुशल पुत्रों व सीता जी को अयोध्या ले जाने के लिए श्री राम ने वाल्मीकि जी से अनुमति माँगी। वाल्मीकि जी ने खुशी-खुशी अनुमति

दे दी। लेकिन सीता जी का मन अयोध्या लौटने का नहीं था। उन्होंने धरती माँ से प्रार्थना की, "हे माँ! मुझे अपनी गोद में समा लो।" उसी क्षण धरती फटी और सीता जी धरती में समा गईं। सभी देखते रह गए। श्री राम अपने पुत्रों को लेकर दुखी मन से अयोध्या लौट गए।

शब्दार्थ

अत्यंत	–	बहुत अधिक	संपूर्ण	–	सारा, पूरा
कंठस्थ	–	याद किया हुआ	पारंगत	–	निपुण
सर्वसम्मति	–	सभी की सहमति	सुसज्जित	–	अच्छी तरह सजाया हुआ
विवश	–	मज़बूर, लाचार	अनुमति	–	स्वीकृति, इजाज़त

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

ऋषि आश्रम चक्रवर्ती आधिपत्य शत्रुघ्न

2. सोचकर बताइए–

(क) लव-कुश कौन थे?

(ख) अश्वमेघ यज्ञ का आयोजन क्यों किया गया था?

(ग) शत्रुघ्न ने लव-कुश को युद्ध के लिए क्यों ललकारा?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लव-कुश का पालन-पोषण किसने और कैसे किया?

....

....

(ख) लव-कुश द्वारा घोड़े को पकड़ने पर क्या हुआ?

....

....

(ग) लव-कुश ने श्री राम के साथ युद्ध क्यों नहीं किया?

....

....

2. नीचे दी पंक्तियों को पाठ के अनुसार क्रम में लगाइए–

☐ जो भी घोड़े को रोकेगा, उसे श्री राम के साथ युद्ध करना पड़ेगा।
☐ अंततः श्री राम को युद्ध के लिए स्वयं आना पड़ा।
☐ वाल्मीकि ने उनका नाम लव और कुश रखा।
☐ दोनों ओर से बाणों की वर्षा होने लगी।
☐ वाल्मीकि जी ने खुशी-खुशी अनुमति दे दी।
☐ यज्ञ में अनेक राजाओं ने भाग लिया।

3. नीचे दिए वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) ऋषि वाल्मीकि ने लव-कुश का पालन-पोषण किया। ☐
(ख) श्री राम ने लव-कुश को खोजने के लिए घोड़ा छोड़ा था। ☐
(ग) लव-कुश ने शत्रुघ्न को हरा दिया। ☐
(घ) सीता जी श्री राम के साथ अयोध्या लौट गईं। ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्दों पर ◯ लगाइए।

(क) हवा धीरे-धीरे चल रही थी।
(ख) बच्चा ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहा है।
(ग) बस रुक-रुककर चल रही है।
(घ) कक्षा में बच्चे शांति से बैठे थे।

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताए, उसे **क्रियाविशेषण** कहते हैं; जैसे–
घोड़ा तेज़ी से दौड़ता है। यहाँ 'दौड़ना' क्रिया है और उसकी विशेषता बताने वाला शब्द है–'तेज़ी से'। अतः 'तेज़ी से' क्रियाविशेषण है।

2. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

एक – .... सम्मति – ....

स्वीकार – .... समीप – ....

हार – .... कुशल – ....

3. इन शब्दों के लिए पाठ में आए विशेषण शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

.......संपूर्ण....... रामायण .... घोड़ा

.... युद्ध .... मन

.... सम्राट .... यज्ञ

कथा से आगे

- यदि लव-कुश यज्ञ का घोड़ा नहीं पकड़ते तो क्या होता?
- क्या धरती का फटना संभव है? जब भूकंप आता है तो क्या होता है?

नन्हे हाथों से

- चित्र को देखकर रामायण से संबंधित इस घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

कुछ करने को

- रामलीला के चित्र एकत्रित कर श्री राम के जीवन के अनुसार घटनाक्रम में लगाइए।
- रामायण से संबंधित किसी प्रसंग को अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से नाटक के रूप में मंच पर प्रदर्शित कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि कोई आपके मित्र के बारे में कुछ गलत बात बताए तो–**

(क) उससे झगड़ा करेंगे। ☐

(ख) उसकी बात मानकर अपने मित्र से बात नहीं करेंगे। ☐

(ग) सच्चाई का पता लगाएँगे। ☐

- **यदि आपके सामने कोई अंधा व्यक्ति सड़क पार न कर पा रहा हो तो–**

(क) उसे देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐

(ख) किसी और को उसे सड़क पार करवाने को कहेंगे। ☐

(ग) स्वयं उसका हाथ पकड़कर सड़क पार करवा देंगे। ☐

17 कल सपने में

केवल पढ़ने के लिए

कल सपने में क्या-क्या देखा–
आओ तुम्हें सुनाऊँ।
सपनों की अनुपम दुनिया की–
चलो सैर करवाऊँ।
पेड़ों पर लटके रसगुल्ले,
पैसे बिखरे गली-मोहल्ले।
टीचर के हाथों में डोसे,
हाथी खाता गर्म समोसे।
हाथ जोड़कर शेर कह रहा–
तुमको मित्र बनाऊँ।
होमवर्क करते दादा जी,
मम्मी ने छोड़ी नाराज़ी।
बिछी बाग में बर्फी प्यारी,
रातें बन बैठीं उजियारी
खेलों की आज़ादी ऐसी–
जब-तब बैट घुमाऊँ।

सोन परी ने प्यार लुटाया,
बिठा पंख पर खूब हँसाया।
हाथ मिलाने आए तारे,
आसमान के करतब न्यारे।

करने लगा देख सब यह मन–
मैं भी गुनगुन गाऊँ।

मेल–जोल की मीठी बातें,
भली लगीं सबकी उत्पातें।
मुसकानों का बजा झुनझुना,
बच्चों का सम्मान दोगुना।

सचमुच यदि ऐसा हो जाए–
जीवन सुंदर पाऊँ।

क्या आप जानते हैं?

(क) वह कौन-सा पौधा है, जो छूने से मुरझा जाता है?

(*i*) जूही का ☐ (*ii*) चमेली का ☐
(*iii*) छुईमुई का ☐ (*iv*) गेंदे का ☐

(ख) वह कौन-सा जीव है, जो परिस्थिति के अनुसार अपना रंग बदलता रहता है?

(*i*) कछुआ ☐ (*ii*) नेवला ☐
(*iii*) गिरगिट ☐ (*iv*) खरगोश ☐

(ग) वह कौन-सा जीव है, जो अपनी पूँछ काटकर शत्रु को चकमा दे देता है?

(*i*) गिरगिट ☐ (*ii*) छिपकली ☐
(*iii*) मछली ☐ (*iv*) बिल्ली ☐

(घ) एक वर्ष में कितने दिन होते हैं?

(*i*) 165 ☐ (*ii*) 265 ☐
(*iii*) 365 ☐ (*iv*) 465 ☐

(ङ.) मिनट की सुई एक घंटे में कितने चक्कर लगाती है?

(*i*) 1 चक्कर ☐ (*ii*) 4 चक्कर ☐
(*iii*) 5 चक्कर ☐ (*iv*) 6 चक्कर ☐

(च) एक घंटे में कितने सेकंड होते हैं?

(*i*) 60 सेकंड ☐ (*ii*) 180 सेकंड ☐
(*iii*) 3600 सेकंड ☐ (*iv*) 1800 सेकंड ☐

(छ) भारत में एक वर्ष में कितनी ऋतुएँ आती हैं?

(*i*) 2 ☐ (*ii*) 4 ☐
(*iii*) 5 ☐ (*iv*) 6 ☐

(ज) नीचे बनी आकृति में कितने त्रिभुज हैं?

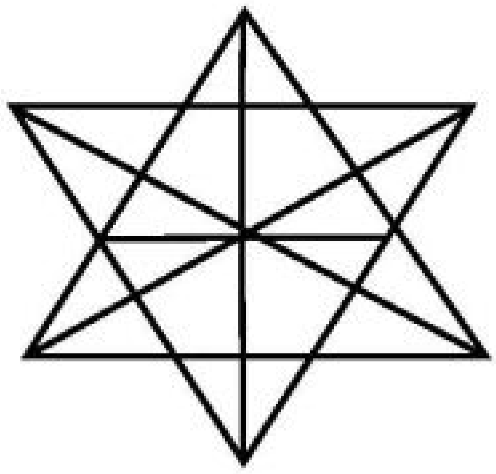

(*i*) 15 ☐ (*ii*) 22 ☐

(*iii*) 25 ☐ (*iv*) 35 ☐

(झ) लुप्त संख्या कौन-सी होगी?

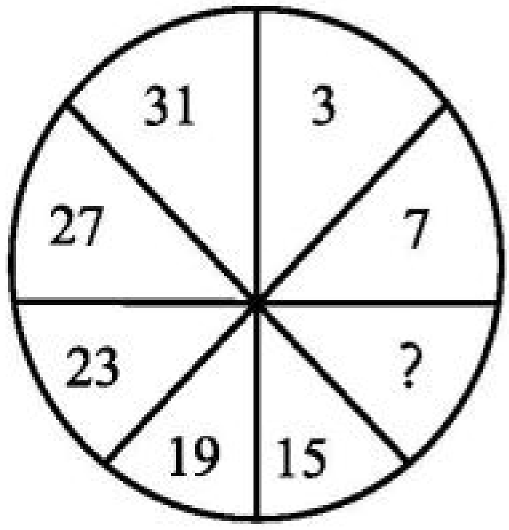

(*i*) 17 ☐ (*ii*) 11 ☐

(*iii*) 23 ☐ (*iv*) 25 ☐

(ञ) यदि पिंकी संजय की बहन है और संजय की माँ के बेटे राहुल और पिंकी का क्या संबंध है?

(*i*) चाचा-भतीजी ☐ (*ii*) भाई-बहन ☐

(*iii*) बुआ-भतीजा ☐ (*iv*) चाची-भतीजा ☐

प्रश्न-पत्र – 1

अवधि-3 घंटे **कुल अंक-30**

1. नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5

जंगल में हिरनों के कई झुंड थे। सबसे बड़े झुंड में पचास हिरन थे। इन हिरनों का सरदार काले रंग का था। काला हिरन सबसे तेज़ दौड़ता था। वह बुद्धिमान परंतु सरल प्रकृति का था। झुंड को अपने सरदार पर विश्वास था। सरदार भी जी-जान से अपने कर्त्तव्य का पालन किया करता था।

(क) हिरनों का सरदार कौन था?

(*i*) काला हिरन ☐ (*ii*) सफ़ेद हिरन ☐ (*iii*) पीला हिरन ☐

(ख) सबसे बड़े झुंड में कितने हिरन थे?

(*i*) दस ☐ (*ii*) बीस ☐ (*iii*) पचास ☐

(ग) गद्यांश से कोई दो सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

....

(घ) गद्यांश से कोई दो विशेषण शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

....

(ङ) झुंड को किस पर विश्वास था?

....

2. नीचे दिए शब्दों में कौन-सी संज्ञा है? (व्यक्तिवाचक या जातिवाचक) 2

ताजमहल .... बकरी ....

3. विलोम शब्द लिखिए– 2

समझदार .... विश्वास ....

4. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए- 2

जहाँ पुस्तकें रखी जाती हों ....

जहाँ पढ़ने के लिए जाते हैं। ....

5. अनुनासिक (ँ) लगाकर शब्द पूरे कीजिए– 2

काटा .... जाएगे ....

6. उचित विशेषण शब्द लिखिए– 2

.... वर्दी .... आइसक्रीम

7. जन्मदिन की बधाई देते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। 5

पाठ से 10

8. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए– 1½

कंप्यूटर, सड़क, हरिश्चंद्र

(क) बुढ़िया .... पार करना चाह रही थी।

(ख) गांधी जी ने जीवनभर .... की तरह सत्य का पालन किया।

(ग) रोबोट ने अपने .... कार्यक्रम के अनुसार जवाब दिया।

9. वाक्यों पर सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए– 1½

(क) तेनालीराम दरबारी की चालाकी को समझ गया। ☐

(ख) छोटे भालू ने तोहफ़े चुराए थे। ☐

(ग) महानगरों में लोग शांतिपूर्वक से कार्य करते हैं। ☐

10. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– 3

(क) टिमटिम को टी. वी. में क्या देखना पसंद था?

(i) कार्टून ☐ (ii) नाटक ☐ (iii) मैच ☐

(ख) महादेवन ने बुढ़िया को सड़क पार कहाँ से करवाई?

(i) सबवे से ☐ (ii) ज़ेबा क्रोसिंग से ☐ (iii) चौराहे से ☐

(ग) विश्व का सबसे बड़ा पिज़्ज़ा कहाँ बनाया गया था?

(i) पेरिस में ☐ (ii) स्वीडन में ☐ (iii) जोहंसबर्ग में ☐

11. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 4

(क) डाकिए से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

....

(ख) रोबोट जवाब क्यों नहीं दे पा रहा था?

....

प्रश्न-पत्र – 2

अवधि-3 घंटे **कुल अंक-30**

1. नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5

स्वामी विवेकानंद जी का जन्म 12 जनवरी, 1863 को हुआ था। अपने गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस से प्रेरित होकर उन्होंने वेदों का प्रचार किया। भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी स्वामी विवेकानंद जी ने धर्म के सही स्वरूप का प्रचार-प्रसार किया। अपने देश भारत के प्रति उनके मन में भक्ति का भाव था।

(क) विवेकानंद जी के गुरु कौन थे?

(*i*) रामानंद ☐ (*ii*) रामकृष्ण परमहंस ☐ (*iii*) रामानुजम ☐

(ख) विवेकानंद जी ने किससे प्रेरित होकर वेदों का प्रचार किया?

(*i*) भाई से ☐ (*ii*) पिता से ☐ (*iii*) गुरु से ☐

(ग) गद्यांश से संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

व्यक्तिवाचक संज्ञा .... जातिवाचक संज्ञा ....

(घ) गद्यांश से कोई दो सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

....

(ङ) विवेकानंद जी के मन में किसके प्रति भक्ति का भाव था?

....

2. पर्यायवाची शब्द लिखिए– 1½

भाई .... पुष्प .... शेर ....

3. रेखांकित शब्दों के लिंग लिखिए– 1

(क) <u>छात्र</u> पढ़ रहा है। ....

(ख) मेरी <u>पुस्तक</u> खो गई। ....

4. शुद्ध करके लिखिए– 1½

कुसल .... हिंदु .... सलौने ....

5. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए– 2

(क) मास में एक बार होने वाला – ....

(ख) जिसके हृदय में दया न हो – ....

6. **क्रियाविशेषण शब्दों पर ◯ लगाइए–** 2

(क) बच्चा ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहा था।

(ख) बस रुक-रुककर चल रही थी।

7. **अपने मनपसंद त्योहार पर निबंध लिखिए।** 7

पाठ से 10

8. **सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–** 1½

(क) एडवेंचर आइलैंड के अधिकतर झूले यूरोप से .... किए गए हैं।

(ख) भारत में अनेक देवी- .... को पूजा जाता है।

(ग) मेट्रो वॉक मॉल में तरह-तरह की .... थीं।

9. **सही मिलान कीजिए–** 1½

(क)	पोंगल	पशुओं की पूजा की जाती है।
(ख)	मट्टू पोंगल में	का त्योहार उत्तर भारत में मनाया जाता है।
(ग)	मकर संक्रांति	दक्षिण भारत में मनाया जाता है।

10. **वाक्यों पर सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–** 1

(क) लव-कुश ने शत्रुघ्न को हरा दिया। ☐

(ख) श्री राम ने लव-कुश को खोजने के लिए घोड़ा छोड़ा था। ☐

11. **सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–** 2

(क) चाँद कहाँ सफ़र करता है?

(*i*) धरती पर ☐ (*ii*) आकाश में ☐ (*iii*) पाताल में ☐

(ख) ऊष्मा एवं ऊर्जा का वाहक कौन है?

(*i*) इंद्र ☐ (*ii*) सूर्य ☐ (*iii*) पशु ☐

12. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 4

(क) पत्थर लगने पर कछुए ने क्या किया?

....

(ख) लव-कुश का पालन-पोषण किसने और कैसे किया?

....

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला

साक्षी हिंदी पाठमाला हिंदी पाठ्यपुस्तक की यह शृंखला कक्षा 1 से 8 के लिए तैयार की गई है। इस पुस्तक शृंखला में बच्चों को हिंदी भाषा में दक्ष बनाने हेतु उनकी अभिरुचि एवं वर्ग का ध्यान रखते हुए रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश किया गया है।

प्रमुख तथ्य

- एनसीईआरटी, सीबीएसई एवं राज्यों के बोर्डों के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित।
- भाषिक योग्यता कौशल–बोलना, पढ़ना, सुनना, लिखना आदि का समावेश।
- हिंदी की सभी विधाओं–कविता, कहानी, लेख, निबंध, यात्रा वृत्तांत, हास्य कथा, पौराणिक कथा, आधुनिक व पर्यावरण संबंधी कहानी, एकांकी, जीवनी, संस्मरण आदि पर आधारित रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित संकलनात्मक एवं रचनात्मक प्रश्न–मौखिक, लिखित एवं बहुविकल्पीय, पाठ के अतिरिक्त प्रयोगात्मक कार्य, काल्पनिक व नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रश्न।
- चित्रों पर आधारित वाक्य रचना, अनुच्छेद, कविता, कहानी, मुहावरे, लोकोक्ति, लेख व निबंध लेखन।
- मानक व परंपरागत वर्तनी का ज्ञान।
- शब्दकोश का ज्ञान।

शृंखला में पुस्तकें

LAXMI PUBLICATIONS (P) LTD
(An ISO 9001:2008 Company)

AMANDA IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

ISBN 978-93-80644-99-8

ASH3-4856-150-SAKSHI HINDI PATHMALA 3